CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-322
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया
जब तक जीना, तब तक सीखना अनुभव ही जगत में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक है.

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार 26 फरवरी 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

महाशिवरात्रि पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

अमित शाह ने की सीएम डॉ.मोहन यादव की तारीफ, बोले- अधिकांश एमओयू जमीन पर उतरेंगे

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का समापन केंद्रीय मंत्री अमित शाह के संबोधन के साथ हुआ। समिट के दूसरे दिन अमित शाह भोपाल पहुंचे। भोपाल पहुंचने से पहले अमित शाह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया। अमित शाह ने लिखा- भाजपा सरकार ने मध्यप्रदेश को बीमारू राज्य से ऊपर उठाकर विकासशील राज्य बनाया। आज यह राज्य भारत की प्रेरक शक्ति है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने सीएम मोहन यादव, उनकी टीम और अफसरों को बधाई दी। शाह ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि जिस तरह की कार्ययोजना सरकार ने बनाई है, इसमें से अधिकतर एमओयू जमीन पर उतरेंगे। सोमवार को पीएम मोदी ने इस समिट का शुभारंभ किया था। समिट को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा- मोदी जी ने देश की 130 करोड़ जनता के सामने 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा है। 2027 तक दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य भी रखा है। यह समिट दोनों लक्ष्यों को साकार करने में सहायक होगी। कोई एक सरकार देश का विकास नहीं कर सकती। टीम इंडिया में राज्य सरकार और भारत सरकार मिलकर काम करें तभी विकास संभव है। अमित शाह ने कहा जिस मध्य प्रदेश को बीमारू राज्य कहा जाता था 20 साल में बीजेपी ने उसे बदलकर रख दिया। अमित शाह ने कहा मध्य प्रदेश में हुए 30 लाख 77 हजार करोड़ रुपये के एमओयू आने वाले समय में मध्य प्रदेश की दिशा और दशा बदले देंगे उन्होंने मध्य प्रदेश की कार्ययोजनाओं की प्रशंसा करते हुए भरोसा जताया कि इनमें से अधिकतर एमओयू जमीन पर उतरेंगे।

शाह ने उद्योगपतियों को भरोसा दिलाया अमित शाह ने मध्य प्रदेश के प्रशासन की तारीफ की। शाह ने उद्योगपतियों और निवेशकों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि आपको मध्यप्रदेश में भरोसेमंद प्रशासन मिलेगा। इसलिए आइए और यहां निवेश कीजिए। अमित शाह ने कगहा- बेहतरीन इन्फ्रास्ट्रक्चर यहां बन चुका है। ईको सिस्टम भी प्रशासन ने उपलब्ध कराया। मार्केट का एक्सेस भी मप्र से ज्यादा किसी स्टेट को उपलब्ध नहीं है। इसके अलावा पारदर्शी शासन ने लोगों को इन्वेस्टमेंट के लिए आकर्षित किया है। शाह ने कहा- यहां लैंड भी है, लेबर्स फोर्स भी है, माइंस हैं, मिनरल्स हैं, उद्योग की संभावनाएं और अवसर हैं, शिक्षित युवा हैं और स्किल्ड वर्क फोर्स भी है, हर तरह से मप्र इन्वेस्टमेंट के लिए बड़ा आकर्षक केंद्र बना हुआ है।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम जीआईएस में शामिल होने के लिए अमित शाह एयरपोर्ट से सीधे मानव संग्रहालय पहुंचे। अमित शाह के दौरे को देखते हुए राजधानी में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। अमित शाह के दौरे के कारण पुलिस ने ट्रैफिक व्यवस्था में भी बदलाव किया। यात्री बसों, भारी वाहनों और दो-चार पहिया वाहनों के लिए अलग-अलग प्लान तैयार किया गया। वहीं, मानव संग्रहालय से पांच किमी के दायरे में ड्रोन पर भी पाबंदी लगाई गई है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दूसरे दिन कई अहम समझौते हुए हैं। एअर इंडिया एक्सप्रेस और मध्यप्रदेश नागरिक विमानन विभाग के बीच 5 फ्लाइट के लिए एमओयू साइन हुआ है। इस दौरान केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन एन किंजारापु भी मौजूद थे।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025- मध्यप्रदेश में निवेश का बूम, दो दिन में 30 लाख 77 हजार करोड़ का निवेश आया, समापन सत्र में शामिल हुए अमित शाह, सीएम मोहन यादव ने की मेट्रोपॉलिटन कॉन्सेप्ट की घोषणा

दिल्ली-मुंबई जैसा होगा इंदौर... बाकी प्रदेश इंदौर जेसे बनेगें

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मध्यप्रदेश को पूरी तरह से चमकाने की प्लानिंग है। सीएम ने भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) 2025 के दौरान घोषणा की कि इंदौर को दिल्ली-मुंबई की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, जबकि बाकी प्रदेश इंदौर जैसा बनेगा। इसके लिए मेट्रोपॉलिटन कॉन्सेप्ट का इस्तेमाल होगा, जिसमें कई जिलों को आपस में जोड़कर बड़े शहर बनाए जाएंगे। इस योजना पर चर्चा जीआईएस के दूसरे दिन मंगलवार को 'अनलॉकिंग लैंड वैल्यू इन सिटीज' सेशन में हुई। इस सेशन में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने नर्मदापुरम के मुहासा-बाबई में रिन्यूएबल एनर्जी के उपकरण निर्माण उद्योग के भूमि पूजन के अनुभव को साझा किया। शुरुआत में 200 एकड़ जमीन की मांग थी, लेकिन कार्यक्रम के दौरान ही 400 एकड़ और जमीन की मांग आ गई। बाद में यह मांग बढ़कर 800 एकड़ और फिर दोगुनी हो गई। इससे साबित होता है कि छोटे स्थानों पर भी निवेश की बड़ी संभावनाएं होती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य के विकास के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना पेश की। उन्होंने कहा कि इंदौर को दिल्ली-मुंबई जैसा और बाकी मध्य प्रदेश को इंदौर जैसा बनाया जाएगा। यह लक्ष्य मेट्रोपॉलिटन कॉन्सेप्ट के माध्यम से हासिल किया जाएगा। इसमें पास-पास के जिलों को एक साथ जोड़कर बड़े शहर बनाए जाएंगे।

8000 वर्ग किलोमीटर का एक बड़ा औद्योगिक केंद्र

सीएम मोहन यादव ने बताया कि इंदौर, उज्जैन, देवास, शाजापुर और पीथमपुर (धार) को मिलाकर लगभग 8000 वर्ग किलोमीटर का एक बड़ा औद्योगिक केंद्र बनाया जाएगा। इसी तरह, भोपाल, सीहोर, विदिशा, रायसेन और नर्मदापुरम के कुछ हिस्सों को भी एक साथ जोड़ा जाएगा। इस मेट्रोपॉलिटन कॉन्सेप्ट में कानूनी पेचीदगियों से बचने के लिए एक स्पष्ट रूपरेखा तैयार की गई है। इसमें सड़क, रेलवे, बिजली, पानी और सीवर जैसी बुनियादी सुविधाओं का विकास शामिल है। इस योजना का लक्ष्य अगले 25 साल में इन क्षेत्रों को महानगरों में बदलना है। मुख्यमंत्री ने बताया कि उनकी सरकार बनने के बाद कई सेक्टर में काम करने का संकल्प लिया गया था। रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव और इन्वेस्टर समिट आयोजित किए गए। इससे प्रदेश में रोजगार, उद्योग और निवेश का माहौल बनाने में मदद मिली। इस प्रयोग के सकारात्मक परिणाम देखने को मिले। इससे यह भी पता चला कि राज्य के छोटे-छोटे स्थानों पर भी इंवेस्टर समिट आयोजित की जा सकती है। इससे सरकार का आत्मविश्वास बढ़ा। नर्मदापुरम जैसी छोटी जगह पर भी निवेश की संभावनाएं दिखाई दीं।

25000 से अधिक निवेशक सहभागी हुए

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के समापन में बताया कि 2 दिन में 30 लाख 77,000 करोड़ का निवेश आया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि भारत अपने स्वर्णिम काल से गुजर रहा है। मध्य प्रदेश भी इसमें योगदान दे रहा है। प्रकृति ने मध्यप्रदेश पर विशेष कृपा की है। हमारे पास पर्याप्त भूमि है। बड़ा जंगल है और अब इंडस्ट्रीयल डेवलपमेंट में भी आगे है। निवेशक हमारे साथ जुड़ रहे है। हमने पूरा वर्ष उद्योग और रोजगार को समर्पित किया है। समिट में लगभग 100 से अधिक उद्योगपतियों व विभिन्न सेक्टर एक्सपर्ट ने इसमें भाग लिया है और बड़ी संख्या में 60 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधियों में प्रमुख उद्योगपतियों ने अपने इसमें भूमिका अदा की है। भारत की अग्रणी 300 से अधिक कंपनियों के एमडी और सीईओ ने भाग लिया जिसमें 25000 से अधिक निवेशक सहभागी हुए है। पहले दिन 22 लाख 50 हजार करोड़ की घोषणा हुई है। हम लगातार सुधार करेंगे और प्रदेश आगे बढ़ेगा।

17.30 लाख लोगों को मिलेगा रोजगार

सीएम मोहन यादव ने बताया कि सभी क्षेत्रों में निवेश बहुत ज्यादा है। एमपी के युवाओं को सभी क्षेत्रों में रोजगार मिलने जा रहा है। जीआईएस के माध्यम होने वाले निवेश से प्रदेश में 17.30 लाख लोगों को नौकरियां मिलेंगी। राज्य सरकार के लिए यह समिट मिल का पत्थर साबित हुई है। प्रधानमंत्री द्वारा प्रदेश की निवेश संकुल नई 18 नीतियां लॉन्च की गई। उद्घाटन सत्र के दौरान एक विशेष वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से मध्य प्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं को दर्शाया गया। इस समिट के लिए 25 हजार से अधिक रजिस्ट्रेशन हुए। 60 देशों के 100 से अधिक विदेशी प्रतिनिधि शामिल हुए।नौ देशों ने पार्टनर कंट्री के रूप में सहभागिता की है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 100 सेक्टर एक्सपर्ट उद्योगपतियों ने स्पीकर्स के रूप में अपनी भूमिका निभाई।

भोपाल गैस कांड के कचरे के निपटान पर बोली सुप्रीम अदालत

अधिकारी यह बताएं कौन-कौन से एहतियाती कदम उठाए ?

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को 1984 की भोपाल गैस त्रासदी से जुड़े यूनियन कार्बाइड के खतरनाक कचरे के निपटारे को लेकर अधिकारियों से यह बताने को कहा है कि इस प्रक्रिया में कौन-कौन से एहतियाती कदम उठाए गए हैं। यह मामला मध्यप्रदेश के धार जिले के पीथमपुर क्षेत्र में कचरे के निपटारे से जुड़ा है, जहां 377 टन जहरीले कचरे को स्थानांतरित किया गया था। अगली सुनवाई 27 फरवरी को होगी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह बेंच ने अधिकारियों से जवाब मांगा है कि क्या निपटारे से जुड़े सुरक्षा उपाय पर्याप्त हैं? अदालत ने कहा कि हम इस प्रक्रिया को तभी रोकेंगे, जब हमें इस पर गंभीर आपत्ति लगे। अदालत ने अधिकारियों को स्पष्ट करने को कहा कि क्या निवासियों की स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को ध्यान में रखा गया है? दिसंबर 2023 और जनवरी 2024 में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने सरकार को सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद यूनियन कार्बाइड का कचरा न हटाने पर फटकार लगाई थी। हाईकोर्ट ने चार सप्ताह की समय-सीमा देते हुए सरकार को कचरे को हटाने का आदेश दिया था, अन्यथा अवमानना कार्रवाई की चेतावनी दी थी। 1 जनवरी 2024 की रात, 12 सीलबंद कंटेनर ट्रकों में यह कचरा पीथमपुर ले जाया गया।

याचिकाकर्ता ने जताई आपत्ति याचिकाकर्ता की अर्जी में कहा गया है कि चार से पांच गांव पीथमपुर में कचरा निपटारे स्थल के 1 किलोमीटर के दायरे में आते हैं। गंभीर नदी इस निपटारे स्थल के पास से बहती है और यशवंत सागर बांध में मिलती है, जो इंदौर की 40 फीसदी आबादी को पीने का पानी उपलब्ध कराता है। आरोप है कि अधिकारियों ने प्रभावित लोगों को खतरे से अवगत नहीं कराया और कोई स्वास्थ्य परामर्श जारी नहीं किया। याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट के इन आदेशों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। वरिष्ठ वकील देवदत्त कामत ने तर्क दिया कि पीथमपुर में कचरे का निपटान किए जाने से गंभीर स्वास्थ्य और पर्यावरणीय खतरे उत्पन्न होंगे। जनता को न तो कोई परामर्श दिया गया, न ही सुरक्षा उपायों पर चर्चा हुई।

क्या है चुनौतियां पीथमपुर संयंत्र के पास आबादी बसी हुई है। तरापुरा गांव (105 मकान) सिर्फ 250 मीटर की दूरी पर है, लेकिन लोगों को विस्थापित करने की कोई योजना नहीं बनाई गई। भीर नदी के पास संयंत्र स्थित है, जिससे जल प्रदूषण होने का खतरा है। याचिका में मांग की गई है कि पीथमपुर में कचरे का निपटान न किया जाए। छोटे-छोटे हिस्सों में अलग-अलग जगहों पर सुरक्षित तरीके से कचरे को नष्ट किया जाए। प्रभावित नागरिकों को स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों के बारे में जानकारी दी जाए और उचित सुरक्षा उपाय किए जाएं। पीथमपुर में 1250 से अधिक उद्योग हैं और यह घनी आबादी वाला क्षेत्र है। यह इंदौर से सिर्फ 30 किमी दूर है, जिससे इंदौर के नागरिकों पर भी खतरा मंडरा रहा है।

...तो अगला महाकुंभ रेत पर होगा? मशहूर वैज्ञानिक ने पीएम को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली। देश के मशहूर वैज्ञानिक और पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक चिट्ठी लिखकर गंभीर समस्या पर ध्यान दिलवाने की कोशिश की है। वांगचुक ने प्रधानमंत्री मोदी को एक सार्वजनिक पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि भारत को ग्लोबल वार्मिंग जैसे मुद्दे को सुलझाने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। इस दौरान सोनम वांगचुक ने देश में नदियों की दयनीय स्थिति पर बातचीत करते हुए लिखा है कि अगर स्थिति को संभालने की कोशिश नहीं की गई तो मुमकिन है कि अगले महाकुंभ का संयोग बनने तक भारत की नदियां ही सूख जाएं और महाकुंभ का आयोजन रेत पर करवाना पड़े। सोनम वांगचुक ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अगर ग्लेशियरों को बचाने के लिए कदम नहीं उठाए गए, तो 144 सालों के बाद आने वाला अगला महाकुंभ रेत पर आयोजित करना होगा। उनके मुताबिक इन सालों के दौरान देश की नदियां सूख जाएंगी। वांगचुक ने कहा कि जैसा कि हम सभी जानते हैं हिमालय के ग्लेशियर बहुत तेजी से पिघल रहे हैं और इसके साथ ही इसी तरह पेड़ों की कटाई भी होती रही तो कुछ दशकों में ही गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी हमारी पवित्र नदियां मौसमी नदियां बन सकती हैं। इसका मतलब यह भी हो सकता है कि अगला महाकुंभ नदी के रेतीले अवशेषों पर कराया जाने पड़े। बता दें कि सोनम वांगचुक पिछले कई सालों से हिमालय के ग्लेशियरों के संरक्षण पर काम कर रहे हैं। वहीं संयुक्त राष्ट्र ने भी 2025 को ग्लेशियरों के संरक्षण का अंतरराष्ट्रीय वर्ष घोषित किया है। अपनी चिट्ठी में वांगचुक ने लिखा कि भारत को ग्लेशियरों को बचाने की मुहिम में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए।

सीआईआई की रिपोर्ट: 2047 तक 2.1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है मप्र की जीएसडीपी

भोपाल। मध्यप्रदेश में विकास की इतनी संभावना है कि यहां की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। मप्र की बढ़ती अर्थव्यवस्था को देखते हुए भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की एक चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। इसके अनुसार मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था संभावित रूप से अपने जीएसडीपी को 2047-48 तक 2.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (248.6 लाख करोड़ रुपये) तक बढ़ा सकती है। इसके मौजूदा समय में 164.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर (13.6 लाख करोड़ रुपये) से 8.6 फीसदी की सीएजीआर से बढ़ सकती है। दरअसल, सीआईआई की 'एन विजनिंग मध्यप्रदेश इकोनॉमीज्ञ 2047' हैडिंग वाली रिपोर्ट में आर्थिक विकास, प्रमुख सेक्टरों की पहचान, नीतिगत हस्तक्षेप और इंवेस्टमेंट के अवसरों की रूपरेखा तैयार करती है। यह राज्य के परिवर्तन को आगे बढ़ाएंगे। सीआईआई के डायरेक्टर जनरल डीजी चंद्रजीत बनर्जी ने बताया कि एमपी में जीडीपी के वर्तमान योगदान 4.6 फीसदी से बढ़ाकर 6त्न तक ले जाने का लक्ष्य है। सीआईआई के महानिदेशक बनर्जी के अनुसार, राज्य की अर्थव्यवस्था एक मोड़ पर है। औद्योगिक क्षमताओं को विकसित करने के लिए स्ट्रक्चरल सुधार को आगे बढ़ाने से राज्य में इवेस्टर अधिक आकर्षित होंगे।

ऐसे पहुंचेगी 2.1 ट्रिलियन यूएस डॉलर तक इकॉनमी

बनर्जी ने कहा कि मध्यप्रदेश को अपने महत्वकांक्षी विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मैन्यूफैक्चरिंग और इंडस्ट्रीयल एरिया को केंद्र में रखना होगा। एमपी की अर्थव्यवस्था में वर्तमान में कृषि क्षेत्र 43 प्रतिशत योगदान देता है। दीर्घकालिक विकास को बनाए रखने के लिए विनिर्माण की हिस्सेदारी 2047 तक 7.2 प्रतिशत से बढ़कर 22.2 प्रतिशत होनी चाहिए। इस टारगेट को पाने के लिए रणनीतिक हस्तक्षेपों की रूपरेखा तैयार की गई है।

इन चार स्टेप से अचीव होगा गोल

बनर्जी के अनुसार सबसे पहले राज्य सरकार को परिवहन बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए काम करे। इसके लिए अधिक मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क का विकास, एयर कार्गो हब का विस्तार और हवाई कनेक्टिविटी में सुधार करने के साथ बुनियादी ढांचे के विकास को आगे बढ़ाना जारी रखना चाहिए। इसके अलावा राज्य को क्षेत्र-विशिष्ट औद्योगिक पार्क और स्मार्ट सिटी बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। साथ ही रिन्यूएबल एनर्जी सोर्स को एकीकृत करने के लिए पर्यावरण-अनुकूल औद्योगिक पार्क बनाने पर भी ध्यान देना चाहिए। विशेष रूप से कपड़ा और खाद्य प्रोसेसिंग जैसे रोजगार के लोचदार क्षेत्रों के लिए कुशल वर्कर उपलब्ध कराने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इसके लिए राज्य सरकार को और अधिक स्किल प्लेटफॉर्म स्थापित करने चाहिए। साथ ही स्किल गैप को दूर करने के लिए स्किल डेवलपमेंट में इंडस्ट्री की भागीदारी को प्रोत्साहित करना चाहिए। तीसरा व्यवसाय करने में आसानी से सुधार से संबंधित है। व्यवसाय के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। निर्बाध अनुमोदन और मंजूरी के लिए सिंगल विंडो सिस्टम (एसडब्ल्यूएस) की दक्षता बढ़ाने से महत्वपूर्ण लाभ मिल सकते हैं। भूमि अधिग्रहण और पंजीकरण प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना, निरीक्षणों को एकीकृत करना और समय पर मंजूरी प्रदान करना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। चौथा कदम एमएसएमई को बढ़ाने से संबंधित है। एमपी एमएसएमई और स्टार्टअप के लिए एक संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र का दावा करता है।

महालक्ष्मी नगर में बन रही अवैध बिल्डिंग पर चला नगर निगम का हथौड़ा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। नगर निगम की टीम ने महालक्ष्मी नगर मेन रोड स्थित राधिका पैलेस के आवासीय भूखंड क्रमांक 52 और 53 पर बने अवैध व्यावसायिक निर्माण पर बड़ी कार्रवाई करते हुए इसे ध्वस्त कर दिया। निगमायुक्त शिवम वर्मा के निर्देश पर झोन क्रमांक 8, वार्ड 37 के अंतर्गत इस अवैध निर्माण को हटाया गया। यह अवैध निर्माण 4,000 स्क्वेयर फीट से अधिक क्षेत्र में किया गया था, जबकि यह भूखंड केवल आवासीय उपयोग के लिए स्वीकृत था। नगर निगम ने इस निर्माण को पूरी तरह अवैध घोषित किया था। पिछले दिनों इस फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ था, जिसके बाद निगमायुक्त ने तुरंत संज्ञान लेते हुए अवैध निर्माण कार्य को रोकने के आदेश दिए थे। हालांकि, भवन स्वामी डॉ. मनीष भगत ने निगम द्वारा दिए गए नोटिस की

अनदेखी की और निर्माण कार्य जारी रखा। इतना ही नहीं, इस अवैध इमारत में एचडीएफसी बैंक और एक जिम को किराए पर दे दिया गया था। जब यह जानकारी नगर निगम को मिली, तो वरिष्ठ अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची और बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया।

कार्रवाई के दौरान मौजूद रहे अधिकारी

अपर आयुक्त लता अग्रवाल, भवन अधिकारी झोन 8 गीतेश तिवारी, रिमूव्हल अधिकारी अश्विन कल्याणे, भवन निरीक्षक राज ठाकुर और अन्य अधिकारियों की अगुवाई में नगर निगम के रिमूव्हल अमले ने बिल्डिंग को तोड़ दिया। यह भी उल्लेखनीय है कि महालक्ष्मी नगर मेन रोड पर कई आवासीय भूखंडों पर अवैध व्यावसायिक निर्माण किए जा रहे हैं। कई लोग आवासीय भूखंडों को अवैध रूप से जोड़कर व्यावसायिक इमारतें बना रहे हैं, जिससे नगर निगम के नियमों का उल्लंघन हो रहा है। नगर निगम का कहना है कि अब ऐसी अवैध इमारतों पर लगातार कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में भी भूखंडों का अवैध रूप से संयुक्तिकरण किया गया था, जो नियमों के खिलाफ है।

नगर निगम का कड़ा रुख

नगर निगम ने साफ किया है कि अब इस तरह के अवैध निर्माण बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स और जनशिकायतों के आधार पर आगे भी जांच और कार्रवाई जारी रहेगी। नगर निगम अधिकारियों ने शहरवासियों से भी अपील की है कि किसी भी अवैध निर्माण की जानकारी तुरंत निगम प्रशासन को दें, ताकि इंदौर को अवैध निर्माण मुक्त बनाया जा सके।

युवती ने प्रेमी की गला घोंटकर की हत्या और पहुंच गई थाने में

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के भंवरकुआं इलाके में एक मेकअप आर्टिस्ट युवती ने अपने प्रेमी की गला घोंटकर हत्या कर दी। वारदात के बाद वह खुद थाने पहुंची और पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने युवती को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है, जबकि मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है।

एसीपी देवेंद्र धुर्वे के मुताबिक, घटना पिपल्याराव इलाके में हुई। यहां किराए के मकान में रहने वाली 19 वर्षीय कृष्णा सिसोदिया (निवासी तेजाजी नगर, नई बस्ती) मंगलवार देर शाम थाने पहुंची और बताया कि उसने अपने दोस्त 21 वर्षीय संस्कार पटोलिया (पुत्र घनश्याम पटोलिया, निवासी सागर) की हत्या कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, जहां संस्कार का शव पड़ा मिला। एफएसएल टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि संस्कार डिलीवरी का काम करता था और मूल रूप से सागर का रहने वाला था, जबकि कृष्णा मेकअप आर्टिस्ट है। दोनों एक सप्ताह पहले ही किराए के मकान में रहने आए थे।

घर वापस जाना चाहती थी युवती

पुलिस पूछताछ में कृष्णा ने बताया कि वह घर वापस जाना चाहती थी, लेकिन संस्कार उसे रोक रहा था। इसे लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। झगड़े के दौरान जब कृष्णा बाहर जाने लगी, तो संस्कार ने उसका दुपट्टा खींच लिया और दोनों में झूमाझटकी हो गई। खुद को बचाने के दौरान कृष्णा ने उसी दुपट्टे से संस्कार का गला घोंट दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस जांच में सामने आया कि संस्कार नशे का आदी था। पुलिस ने उसके दोस्तों से भी पूछताछ की है। घटना की जानकारी मृतक के परिवार को सागर भेजी गई है। पुलिस ने कृष्णा के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है। संस्कार का पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

मोबाइल गेम की लत और जिद में छात्र ने जहर पीकर दे दी जान

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में मोबाइल गेम की लत और जिद ने एक 9वीं कक्षा के छात्र की जान ले ली। उसने पास की दुकान से जहरीली दवा खरीदी और पी ली। दोस्तों ने जब यह देखा तो तुरंत उसकी मां को बताया। परिवार उसे निजी अस्पताल लेकर गया, जहां से उसे एमवाय अस्पताल रेफर कर दिया गया।

इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। छत्रीपुरा पुलिस के अनुसार, मृतक छात्र प्रिंस (16) पुत्र संजय शाह, आदर्श इंदिरा नगर का रहने वाला था। रविवार रात उसने जहर खा लिया था, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां उसकी मौत हो गई। प्रिंस 9वीं कक्षा का छात्र था और उसके परिवार में माता-पिता, दो भाई और एक बहन हैं। उसके पिता एक मिठाई की दुकान पर काम करते हैं। परिवार के अनुसार, कुछ दिनों पहले प्रिंस अपने माता-पिता के साथ बिहार के नारायणपुर गांव गया था। 25 जनवरी 2025 को वे लौट रहे थे, तभी पटना के पास ट्रेन में उसका मोबाइल चोरी हो गया। प्रिंस मोबाइल पर फ्री फायर गेम खेलने का आदी था, इसलिए वह लगातार अपनी मां सुधा से नया मोबाइल दिलाने की जिद कर रहा था। उसकी मां ने कहा था कि पिता की सैलरी आने पर वह उसे मोबाइल दिला देंगी।

रविवार को प्रिंस ने फिर से मोबाइल के लिए जिद करना शुरू कर दिया। उसने मां से कहा कि अगर उसे मोबाइल नहीं मिला तो वह अपनी जान दे देगा। मां ने समझाने की कोशिश की और कहा कि रात हो गई है, सोमवार को वह अपना मंगलसूत्र गिरवी रखकर उसे मोबाइल दिला देंगी। लेकिन प्रिंस को मोबाइल तुरंत चाहिए था, क्योंकि सुबह उसे स्कूल जाना था। मां ने उसे भरोसा दिलाया कि खाना खाने के बाद वे मोबाइल लेने चलेंगे, लेकिन गुस्से में आकर प्रिंस घर से निकल गया।

वह नजदीकी किराना दुकान पर गया और वहां से जहरीली दवा की पुड़िया खरीदी। इसे पानी में घोलकर पी लिया। जब परिवार को पता चला, तो तुरंत उसे अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान प्रिंस ने कहा कि वह सिर्फ अपने परिवार को डराने के लिए ऐसा कर रहा था, लेकिन सुबह उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। डॉक्टरों ने उसे वेंटिलेटर पर रखा, लेकिन कुछ ही देर बाद उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामले में पिता और कुछ परिजनों के बयान दर्ज कर लिए हैं। अन्य लोगों से भी जल्द पूछताछ की जाएगी।

छेड़छाड़ करने पर छात्रा ने कर दी युवक की पिटाई, विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ता भी पहुंचे

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। जीडीसी कॉलेज में बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। घटना 24 फरवरी 2025 को दोपहर करीब 12.15 बजे की है, जब छात्रा साइकिल से महूनाका होते हुए कॉलेज जा रही थी। पीड़िता के अनुसार, प्रेमप्रकाश आश्रम के सामने मुख्य सड़क पर एक लोडिंग वाहन (एमपी09 जीएच8084) ने उसे पीछे से टक्कर मारने की कोशिश की, जिससे वह गिरते-गिरते बची। जब छात्रा ने वाहन चालक को लापरवाही से गाड़ी चलाने के लिए टोका, तो आरोपी उमर मंसूरी हंसने लगा और वाहन रोककर उतर आया। इसके बाद उसने अभद्रता करते हुए छात्रा का दुपट्टा खींचा और अपमानजनक टिप्पणी करते हुए गलत तरीके से छूने की कोशिश की। छात्रा ने हिम्मत दिखाते हुए आरोपी की बीच सड़क पर पिटाई कर दी। शोर सुनकर वहां मौजूद स्थानीय लोग और विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता—कान्हा टांक, अनिल पाटिल, विपिन राठौर, राजेश राठौर, अंकित चौबे, कमल वर्मा और मुरलीधरन कर्ता—मौके पर पहुंचे और आरोपी को पकड़ लिया। बाद में कार्यकर्ताओं ने आरोपी को पकड़कर पंढरीनाथ पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है और आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

इंदौर पुलिस ने बनाई शॉर्ट फिल्म 'आई लव ट्रैफिक रूल्स'

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। लोगों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए इंदौर पुलिस ने एक शॉर्ट फिल्म बनवाई है। मंगलवार को 'आई लव ट्रैफिक रूल्स' शार्ट फिल्म को रिलीज किया गया।

फिल्म के द्वारा ट्रैफिक नियमों का महत्व समझाने के साथ ही दुर्घटना में परिवार को टूटने से बचाने की सीख दी गई है। मंगलवार को पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह, एडिशनल पुलिस कमिश्नर अमित सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में इस शॉर्ट फिल्म को रिलीज किया गया है। फिल्म को जारी करते हुए पुलिस कमिश्नर सिंह ने सभी लोगों से स्वयं और दूसरों की सुरक्षा के लिए ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील की है।

उन्होंने बताया कि इस फिल्म के माध्यम से लोगों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया है। फिल्म में दिखाया गया है कि एक बहन अपने भाई को हेलमेट पहनने का सुझाव देती है। इसके बाद भी भाई हेलमेट पहनने से मना करता है, पिता द्वारा शराब पीकर गाड़ी चलाना और फिर नियमों की अनदेखी कर अपनी जान गवां देते है। तीन सवारी, नाबालिग तेज गति से गाड़ी चलाकर एक्सीडेंट होने पर ट्रैफिक पुलिस द्वारा पिता को समझाइश देते है।

रेड लाइट उल्लंघन करने पर यातायात सिपाही द्वारा वाहन चालक को सड़क सुरक्षा का महत्व बताया गया।इस फिल्म को स्कूल, कॉलेज, संस्थानों सहित सोशल मीडिया आदि की मदद से आम लोगों तक सड़क सुरक्षा का संदेश पहुंचाया जाएगा। ताकि लोग ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक हो सके। शार्ट फिल्म की मदद से जागरूकता संदेश देने के लिए ट्रैफिक मैनेजमेंट पुलिस टीम और कलाकारों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

12वीं की परीक्षा में पूछे गए हनुमान और रामचरित मानस को लेकर सवाल

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। मध्यप्रदेश में एमपी बोर्ड की 12वीं की परीक्षा मंगलवार से शुरू हो गई। पहले दिन 12वीं कक्षा के हिंदी विषय का पेपर था। पहली बार परीक्षा में हनुमान और रामचरित मानस को लेकर भी सवाल पूछे गए। इन प्रश्नों के साथ विकल्प भी दिए गए थे, यदि छात्र को उत्तर नहीं आता तो वह दूसरे प्रश्न का जबाव दे सकता था। परीक्षा केंद्र से बाहर निकले विद्यार्थियों ने हिंदी के प्रश्न पत्र को सरल बताया। उनका कहना है पेपर काफी सरल आया था। हालांकि समय कम होने की वजह से कुछ बच्चे पूरा प्रश्नपत्र हल नहीं कर सके। हिंदी प्रश्नपत्र के ए सेट में प्रश्न क्रमांक 8 में पूछा गया सेवक धर्म में भक्त की तुलना हनुमानजी से क्यों की गई है। जिन छात्रों को इस प्रश्नपत्र का उत्तर न आता हो, उनके लिए विकल्प में दूसरा प्रश्न भी पूछा गया था। इसी प्रकार प्रश्न क्रमांक 2 में रिक्त स्थान भरने के लिए कहा गया। इसमें पूछा गया था रामचरित मानस महाकाव्य की भाषा कौन सी है। रिक्त स्थान भरने के लिए दो विकल्प दिए गए थे, इनमें ब्रज व अवधी भाषा में से एक का चयन करना था। एमपी बोर्ड का 12वीं कक्षा का पेपर सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित किया गया। इसमें कुल 23 प्रश्न पूछे गए थे। इनमें प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वास्तुनिष्ठ प्रश्न थे, जो 1-1 नंबर के थे। जबकि प्रश्न क्रमांक 6 से 15 तक प्रत्येक उत्तर के लिए 2-2 अंक निर्धारित हैं। इसी तरह 16 से 19 तक 3-3 अंक, जबकि 20 से प्रश्न क्रमांक 23 तक प्रत्येक उत्तर के लिए 4-4 अंक निर्धारित किए गए हैं। यदि शुरुआत के 5 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़ दें, तो अन्य सभी प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए थे।

10 हजार की रिश्वत लेते एएसआई को लोकायुक्त पुलिस ने पकड़ा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। लोकायुक्त पुलिस ने मंगलवार को बड़गोंदा थाने में पदस्थ एएसआई को 10 हजार रु. की रिश्वत लेते रंगेहाथों गिरफ्तार किया है। उसने एक पारिवारिक मामले को कमजोर करने के एवज में 20 हजार रु. की रिश्वत मांगी थी। आरोपी एएसआई का नाम गोविंदसिंह गिरवार (51) है। मामले में बसीपीपरी गांव के निवासी अनिल बारिया की पत्नी रेखा ने 21 जनवरी बड़गोंदा थाने में पारिवारिक विवाद की शिकायत की थी। इसकी जांच एएसआई गोविंद सिंह के पास में थी। उसने रेखा के पति अनिल से एफआईआर कमजोर करने के एवज में 20 हजार रु. की मांग की थी। इस पर अनिल ने लोकायुक्त एसपी राजेश सहाय से शिकायत की थी। इसके बाद उसे पकड़ने की तैयारी की गई। मंगलवार दोपहर को गोविंद सिंह ने अनिल को गवली पलासिया स्थित शराब की दुकान के पास रुपए लेकर बुलाया। इस पर अनिल मौके पर पहुंचा और उसे रुपए दिए। तभी वहां सक्रिय लोकायुक्त की टीम ने उसे रंगेहाथों पकड़ लिया उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण की धारा 7 के तहत केस दर्ज किया गया है।

शांति और भाईचारे के साथ मनाएं त्यौहार...कलेक्टर ने ली धर्मगुरुओं की बैठक

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। आगामी त्यौहारों को लेकर मंगलवार को कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक में सभी धर्मगुरुजनों और समाज प्रमुखों ने अपनी-अपनी बातें रखी। इस दौरान कुछ समस्याएं बताई गई और सुझाव भी दिए। बैठक में महाशिवरात्रि, रमजान, होली, धुलेंडी, रंग पंचमी आदि पर्वों की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान शहर में किस तरह से शांति व्यवस्था और भाईचारा बना रहे इसे लेकर लोगों ने अपनी-अपनी समस्याएं और सुझाव भी दिए। मुस्लिम समाज की ओर से बताया गया कि रमजान में देर रात तक दुकानें खुली रहती हैं। वहां पर्याप्त पुलिस बल लगाया जाए। लाइट की व्यवस्था भी बनी रहे, इसे लेकर भी सुझाव दिए गए। अधिकांश सुझाव ट्रैफिक, लाउड स्पीकर, साफ-सफाई, नशाखोरी आदि को लेकर दिए गए। साथ ही शांति समिति में नए लोगों को भी जोड़ने की मांग की गई। बैठक में बताया गया कि त्यौहारों के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे। शांति और कानून व्यवस्था बिगाड़ने

वालों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जायेगी। सभी त्योहार आपसी सद्भाव, एकता के साथ शांतिपूर्ण रूप से मनाए जाएंगे और इंदौर की गौरवशाली परम्परा को कायम रखा जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि किसी को परेशानी नहीं हो इसका ध्यान रखें। अधिकारी मार्गों की मरम्मत पर विशेष ध्यान दें। बिजली सप्लाय की समुचित व्यवस्था बनाई जाएं।

सिंह ने कहा कि 14 मार्च को धुलेंडी और 19 मार्च को रंग पंचमी पर आमजन की सुविधा के लिए विशेष पेयजल आपूर्ति की जाएं। शहर में जहां-जहां सड़क निर्माण कार्य किया जा रहा है या सीवरेज काम के लिए सड़क को खोदा गया है वहां पेचवर्क किया जाएं। हरे वृक्षों की कटाई न हो इसका ध्यान रखें। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जहां पर सरकारी वन सम्पदा रखी रहती है, उसकी सुरक्षा के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएं। वन विभाग विभिन्न काउंटरों के माध्यम से हर्बल कलरों का विक्रय करें, जिससे आम जन को अच्छे कलर उपलब्ध हो सकेंगे। साथ ही शरीर को होने वाले नुकसानों से भी बचा जा सकेगा। शराब पीकर या लापरवाही से वाहन चलाने पर कार्रवाई की जाएगी पुलिस विभाग द्वारा शांति समिति के सदस्यों के साथ समन्वय स्थापित किया जा रहा है। सभी संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस का अतिरिक्त बल तैनात रहेगा और संबंधित क्षेत्र के पुलिस अधिकारी भी पेट्रोलिंग करते रहेंगे। अन्य समाजजन ने सुझाव दिए कि शहर में अब कई पुलिस अधिकारी नए आ गए हैं। इनके नंबर समिति के हर सदस्य को दिए जाएं। बैठक में धार्मिक आयोजनों के दौरान शहर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चर्चा की गई। इन्हें सुनने के बाज कलेक्टर ने सभी समस्याओं के निराकरण का आदेश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिया है। बैठक में नगर निगम सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

रुद्राक्ष महोत्सव के लिए सीहोर में 11 जोड़ी एक्सप्रेस ट्रेनों का अस्थाई स्टॉपेज

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। सीहोर जिले के कुबेरेश्वर धाम में सात दिवसीय शिव महापुराण कथा चल रही है। इस आयोजन में देशभर से श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने भोपाल-उज्जैन मेला एक्सप्रेस ट्रेन के अलावा एक और सौगात दी है। सीहोर रेलवे स्टेशन पर 11 जोड़ी एक्सप्रेस, मेल और सुपरफास्ट ट्रेनों के लिए 25 फरवरी से 3 मार्च तक 2-2 मिनट के अस्थाई स्टॉपेज दिए गए हैं, जिससे श्रद्धालुओं को आने-जाने में सुविधा होगी। रुद्राक्ष महोत्सव के चलते सीहोर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। शहर के हर कोने में श्रद्धालुओं का सैलाब देखा जा रहा है। बाजारों में भी रौनक बढ़ गई है, और लोग बड़ी संख्या में कुबेरेश्वर धाम की ओर जाते नजर आ रहे हैं। भीड़ को व्यवस्थित करने और सुगम दर्शन की व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन और विठलेश सेवा समिति ने पिछले एक माह से विशेष तैयारियां की हैं। इन बेहतरीन

व्यवस्थाओं से श्रद्धालु भी संतुष्ट नजर आ रहे हैं। 3 मार्च तक लागू रहेगी व्यवस्था श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए रेलवे ने सीहोर रेलवे स्टेशन पर 11 जोड़ी एक्सप्रेस, मेल और सुपरफास्ट ट्रेनों के लिए 2-2 मिनट के अस्थाई ठहराव की व्यवस्था की है। यह व्यवस्था 25 फरवरी से 3 मार्च तक लागू रहेगी। इसके साथ ही, पहले से चल रही भोपाल-उज्जैन मेला एक्सप्रेस ट्रेन भी 23 फरवरी से 4 मार्च तक संचालित की जा रही है।

अतिरिक्त सुरक्षा बल और बेहतर सुविधाएं

महाशिवरात्रि मेला और रुद्राक्ष महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए रतलाम मंडल ने अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की है। ये बल श्रद्धालुओं को भीड़-भाड़ में किसी भी प्रकार की असुविधा से बचाने के लिए विशेष सतर्कता बरत रहे हैं। सीहोर रेलवे स्टेशन पर भी भीड़ को नियंत्रित करने और यात्रियों को सहायता प्रदान करने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है।

श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक यात्रा

रेलवे की इस पहल से विभिन्न प्रदेशों से आने वाले श्रद्धालुओं को यात्रा में सहूलियत होगी।

सीहोर स्टेशन पर अस्थाई स्टॉपेज से श्रद्धालु आसानी से कुबेरेश्वर धाम तक पहुंच सकेंगे। साथ ही, मेला एक्सप्रेस ट्रेन भी श्रद्धालुओं के लिए लाभकारी सिद्ध हो रही है।

सीहोर रेलवे स्टेशन पर इन 11 ट्रेनों का किया स्टॉपेज

- 12923/12924 डॉ. अम्बेडकर नगर नागपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस
- 19301/19302 डॉ. अम्बेडकर नगर यशवंतपुर एक्सप्रेस
- 22911/22912 इंदौर हावड़ा क्षिप्रा एक्सप्रेस
- 20414/20413 इंदौर वाराणसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस
- 20416/20415 इंदौर वाराणसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस
- 14115/14116 डॉ. अम्बेडकर नगर प्रयागराज एक्सप्रेस
- 19313/19314 इंदौर पटना एक्सप्रेस
- 19321/19322 इंदौर पटना एक्सप्रेस
- 19305/19306 डॉ. अम्बेडकर नगर कामाख्या एक्सप्रेस
- 22645/22646 इंदौर तिरूवनंतपुरम नॉर्थ एक्सप्रेस
- 22191/22192 इंदौर जबलपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस

सीटू ने किया श्रमिकों के न्यूनतम वेतन के मुद्दे पर संघर्ष का ऐलान

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन एमपी (सीटू) के नेताओं ने दावा किया है कि प्रदेश के 25 लाख श्रमिक पुनरीक्षित न्यूनतम वेतन के हकदार हैं। हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने 4 दिन पहले सुनाए फैसले में स्थिति स्पष्ट कर दी है। कोर्ट ने टेक्सटाइल एंड बेड एप्स, एप्रिल मैन्युफैक्चरिंग वूलन निटिंग एंड टेक्नीकल टेक्सटाइल फैब्रिक्स और फुटवियर मैन्युफैक्चरिंग कारखानों में काम करने वाले श्रमिकों का न्यूनतम वेतन दो माह में तय करने को कहा है। यानी 4 मार्च 2024 को जारी अधिसूचना को मान्य कर लिया गया। ये अधिसूचना श्रमिकों के वेतन में बढ़ोत्तरी की थी। इसके विरुद्ध टेक्सटाइल एसोसिएशन ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। सीटू ने साफ किया है कि अब जल्द से जल्द बढ़ा वेतन लेने को लेकर संघर्ष किया जाएगा।

सीटू के महासचिव प्रमोद प्रधान ने श्रमिकों के लिए एक वीडियो जारी किया है, जिसमें पुनरीक्षित न्यूनतम वेतन को लेकर हाईकोर्ट की इंदौर बेंच के फैसले को समझाया गया है। इसमें प्रधान कहते हैं कि टेक्सटाइल एसोसिएशन ने पुनरीक्षित न्यूनतम वेतन की अधिसूचना को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने फैसले में कहा है कि तीनों नियोजन कंपनियों के श्रमिकों का वेतन तय किया जाए। इस तरह शेष नियोजनों के लिए पुनरीक्षित न्यूनतम वेतन का आर्डर खुद ही मान्य हो गया। हालांकि प्रधान तीनों नियोजनों को अलग किए जाने पर आपत्ति भी लेते हैं।

मजदूरों की ओर से सीटू ने कानूनी लड़ाई लड़ी

प्रधान का कहना है कि 4 मार्च 2024 की अधिसूचना में ये नियोजन शामिल नहीं थे। ये जनवरी 2025 में शामिल किए गए हैं और अधिसूचना पर स्टे मई 2024 में दिया गया है। जिसे कोर्ट ने 3 दिसंबर 2024 को खारिज भी कर दिया। तब सरकार ने कहा-हमें समझ नहीं आया, इसकी स्पष्टता नहीं है, हमें तभी लगा था कि टेक्सटाइल उद्योग को लाभ पहुंचाने की कोशिश की जा रही है, जो सही भी निकली। अधिसूचना जारी होने के 10 माह बाद उसमें संशोधन कैसे किया जा सकता है? सरकार ने टेक्सटाइल एसोसिएशन को इंटर लोकेटरी

याचिका लगाने का पर्याप्त समय दिया। उल्लेखनीय है कि इस मामले में मजदूरों की ओर से सीटू ने कानूनी लड़ाई लड़ी है।

तीन नियोजनों को अलग करने का मामला

प्रधान का कहना है कि राज्य सरकार ने 2014 में पुनरीक्षित न्यूनतम वेतन लागू किया था, तब भी टेक्सटाइल एसोसिएशन इसके खिलाफ हाईकोर्ट की इंदौर बेंच पहुंची थी।

हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद 9 सितंबर 2015 को याचिका खारिज कर दी थी। इस बार फिर एसोसिएशन ने याचिका लगाई, जिस पर स्टे मिला और 3 दिसंबर 2024 को हटा भी दिया गया। फिर उसमें तीन नियोजनों को अलग करने का मामला आ गया। बता दें कि न्यूनतम वेतन कानून 1948 की प्रक्रिया का पालन करते हुए न्यूनतम वेतन सलाहकार बोर्ड वेतन पुनरीक्षित करता है।

अब 2019 से एरियर दिलाए सरकार

प्रधान कहते हैं कि हाईकोर्ट के फैसले से स्पष्ट हो गया है कि टेक्सटाइल एसोसिएशन को पुनरीक्षित न्यूनतम वेतन से आपत्ति नहीं है। तीनों नियोजन में काम करने वाले श्रमिकों का वेतन बढ़ाने से आपत्ति है, तो बाकी श्रमिकों के लिए वेतन वृद्धि नवंबर 2019 से मान लेनी चाहिए और तभी से एरियर दिलाना चाहिए, क्योंकि 2014 में लागू पुनरीक्षित वेतन की अवधि नवंबर 2019 में समाप्त हो चुकी थी। न्यूनतम वेतन सलाहकार बोर्ड ने भी 2019 में ही 25% वेतन बढ़ाने की सिफारिश की थी।

तुरंत आदेश जारी करे सरकार

प्रधान और सीटू भेल के महासचिव दीपक गुप्ता कहते हैं कि हाईकोर्ट का फैसला आ चुका है। अब कहीं कोई शंका नहीं रही है। इसलिए सरकार बढ़ा हुआ वेतन देने के आदेश तुरंत जारी करे और नवंबर 2019 से अप्रैल 2024 तक का एरियर दिलाए। न्यूनतम वेतन सलाहकार बोर्ड की पिछली बैठक में हमने मुद्दा उठाया था।

श्रमायुक्त ने कहा था बोर्ड की बैठक बुलाकर 2024 से बढ़ी हुई वेतन की दरें लागू करेंगे। कोर्ट की कार्यवाही निपट गई। बोर्ड की बैठक बुलाओ और कारखानों के मालिकों के मुद्दों पर चर्चा करने के बजाय ड्यू न्यूनतम वेतन की बढ़ी दरों से वेतन दिलाने की प्रक्रिया शुरू करो।

लड़ाई आसान नहीं है, पर असंभव भी नहीं

प्रधान ने श्रमिकों से कहा है कि हम वैधानिक रूप से बढ़ी हुई वेतन दरों को लेने के लिए पात्र हैं। बढ़ा हुआ वेतन और एरियर लेने की लड़ाई आसान नहीं है तो असंभव भी नहीं है। हमें तुरंत आदेश जारी कराने और अगले ही माह से लाभ दिलाने के लिए सरकार पर दबाव बनाना पड़ेगा। इस संघर्ष में मजदूरों की सक्रिय भागीदारी की जरूरत है। सरकार उद्योगपतियों को रिझाने में लगी है, उनके स्वागत में राजधानी को सजाया है। प्रदेश में रोजगार के लिए ऐसा करने की बात की जा रही है और श्रमिकों के लुटने के रास्ते खोले जा रहे हैं।

युवक पर धारदार हथियारों से हमला सीसीटीवी फुटेज सामने आए

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। भोपाल के सुभाष कॉलोनी में युवकों में विवाद हो गया। एक युवक पर धारदार हथियार से हमला किया गया। हथियार लहराते हुए युवकों के सीसीटीवी फुटेज सामने आए हैं। जानकारी के अनुसार, मदन मोहन शर्मा (66) ने थाना ऐशबाग में शिकायत दर्ज कराई है कि उनकी किराए पर दी गई दुकानों के पास झगड़ा हो रहा था। इस दौरान आरोपियों ने पत्थरबाजी की, जिससे दुकानों को नुकसान हुआ है। झगड़े में आमिर और अमन बड़ सहित अन्य आरोपियों ने उन्हें और उनके परिवार को गाली-गलौज कर धमकाया। फरियादी ने शिकायत में बताया कि आमिर ने धारदार हथियार से हमला किया, जिससे बेटे और दुकान के अन्य लोगों को चोटें आई हैं। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना ऐशबाग पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। फरियादी ने कहा है कि शाम को 6, 6:30 बजे की घटना है। शराब पीकर कम से कम 10 से 15 लोग घर के सामने आए और पथराव करना शुरू दिया।

हमने उन्हें कहा कि आप यहां से चले जाओ, घर के सामने ऐसे हंगामा मत करो। इस पर उन लोगों ने तलवार निकाल ली। करीब चार लोग ऐसे थे जिनके पास तलवार थी। जबकि हम निहत्थे थे। हम चार-पांच लोग थे। लेकिन फिर भी हमने संघर्ष किया। उन लोगों ने मेरे सिर पर तलवार मारी। मेरे पिताजी और बड़े भाई को भी चोट लगी है। सभी लड़के आसपास के ही हैं। सुभाष कॉलोनी में यह सब काफी समय से चल रहा है। यहां छोटे-छोटे बच्चे शराब और गांजे का नशा करते हैं। आरोपियों को मैं चेहरे से पहचान सकता हूं। लेकिन उनका नाम नहीं पता। एक का नाम आरिफ है।

वहीं जिस लड़के ने तलवार निकाली उसका नाम गोविंद है। उसने ही मेरे सिर पर पीछे से वार किया था। पहले से कोई विवाद नहीं रहा है। 2 दिन पहले भी तिरंगा कॉलोनी के रहने वाले लड़के ने एक बच्चे को बहुत मारा था। अशोक गार्डन थाना के थाना प्रभारी हेमंत श्रीवास्तव ने बताया कि 23 तारीख को शाम करीब 6:00 बजे दो युवकों में आपसी बहस चल रही थी। इसी दौरान दोनों के बीच पत्थरबाजी हुई। पत्थरबाजी में पास के टीवी दुकान के मालिक शैलेंद्र को भी चोट लगी। दुकान का कोई नुकसान ना हो इसलिए उसने लड़के को डांट फटकार कर भगा दिया।

भोपाल के प्रिंसिपल चीफ कमिश्नर कार्यालय को आईएसओ 9001:2015 सर्टिफिकेट

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। भोपाल के प्रिंसिपल चीफ कमिश्नर कार्यालय को लोक प्रशासन के लिए आईएसओ 9001:2015 सर्टिफिकेट दिया है। यह सर्टिफिकेट लेने के बाद प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त पुरुषोत्तम त्रिपुरी ने कहा है कि यह अफसरों की सेवाओं का प्रतिफल है। इसे आगे भी जीवंत बनाए रखना होगा। यह सर्टिफिकेट पाने वाला यह भारत का पहला प्रशासनिक आयकर कार्यालय है।

नवीन आयकर भवन भोपाल में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय भोपाल को लोक प्रशासन की कैटेगरी में करड 9001:2015 सर्टिफिकेट दिया है। यह सर्टिफिकेट यूनिवर्सल सर्टिफिकेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड भोपाल ने क्वालिटी मैनेजमेंट सर्विसेस के लिए दिया है। यह सर्टिफिकेट पाने वाला यह भारत का पहला प्रशासनिक आयकर कार्यालय है।

प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त (मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़) पुरुषोत्तम त्रिपुरी ने कहा कि इस कार्यालय में पदस्थ सभी कर्मचारियों और अधिकारियों के कुशलता पूर्वक संपन्न किए गए कार्यों और उपलब्धियों के आधार पर यह सर्टिफिकेट प्राप्त मिला है। त्रिपुरी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह सर्टिफिकेट हमारी साख को बढ़ाएगा और हमारी संचालन क्षमता में सुधार होगा। उन्होंने अपेक्षा जताई कि भविष्य में भी हम सभी इसी लगन और मेहनत के साथ अपने कार्यों को करते रहें। यह सर्टिफिकेट पाने वाला यह भारत का पहला प्रशासनिक आयकर कार्यालय है।

डीजी इन्वेस्टिगेशन सतीश गोयल ने कहा कि आईएसओ 9001:2015 सर्टिफिकेशन हम सभी को आगे और अच्छा कार्य करने के लिए प्रेरित करता रहेगा। कार्यक्रम में आयकर आयुक्त प्रशासन राजेश कुमार, आयकर आयुक्त सत्यपाल सिंह मीणा, आयकर उपायुक्त डॉ चेतन शर्मा, आयकर अधिकारी संतोष निगम और नीरज अग्रवाल मौजूद रहे।

एमपी बोर्ड की 12वीं की परीक्षाएं शुरू, 27 फरवरी से 10वीं बोर्ड की परीक्षा

भोपाल। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 12वीं बोर्ड परीक्षा मंगलवार 25 फरवरी से शुरू हो गई है। स्टूडेंट्स का आज पहला पेपर हिंदी का रहा। परीक्षा सुबह 9 बजे से 12 बजे की शिफ्ट में आयोजित हुई। वहीं, 10वीं बोर्ड परीक्षा 27 फरवरी से शुरू होगी। इसका भी पहला पेपर हिंदी का रहेगा। परीक्षा को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल ने आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। बता दें कि इस साल कक्षा 10वीं में 9.53 लाख और कक्षा 12वीं में 7.06 लाख विद्यार्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए प्रदेशभर में 3,887 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा के दौरान अनुशासन बनाए रखने और नकल पर रोक लगाने के लिए कड़े निर्देश जारी किए गए हैं। बोर्ड ने परीक्षा में नकल रोकने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। यदि किसी छात्र की उत्तर पुस्तिका की सिलाई उखड़ी पाई जाती है, तो इसे नकल की श्रेणी में रखा जाएगा और संबंधित छात्र पर कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों से अपील की है कि वे परीक्षा में अनुशासन और ईमानदारी बनाए रखें। बोर्ड परीक्षा का उद्देश्य न केवल अकादमिक मूल्यांकन करना है,

मध्यप्रदेश में झटका दे रहा मौसम, कहीं रात का पारा गिरा तो कहीं उछला

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। मध्यप्रदेश के मौसम में फरवरी के तेवर साफ तौर पर देखने को मिल रहे हैं। साथ ही लगातार तापमान में उतार-चढ़ाव भी जारी है। प्रदेश में कभी गर्मी का एहसास हो रहा है तो कभी हल्की सर्दी का दौर देखा जा रहा है। पहाड़ों पर बर्फबारी होने और उत्तरी हवाएं चलने के कारण प्रदेश के कई शहरों के रात के तापमान में हल्की गिरावट आई। वहीं, सोमवार की रात कई जिलों के न्यूनतम तापमान में उछाल भी दिखा। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय न होने के कारण हवाएं उत्तरी दिशा में बह रही हैं, जिससे

पहाड़ों पर बर्फबारी के कारण कई राज्यों में ठंडी हवाएं आ रही हैं। हालांकि, मध्य प्रदेश में रात का मौसम साफ बना हुआ है। राजधानी भोपाल के मौसम की बात करें तो आसमान साफ रहा। यहां रात के न्यूनतम तापमान में हल्का उछाल देखा गया।

इस कारण बदलाव

मौसम वैज्ञानिक वेद प्रकाश सिंह के मुताबिक, फरवरी के आखिरी सप्ताह में इसी प्रकार मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। बता दें, दक्षिण पाकिस्तान और राजस्थान के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम एक्टिव हुआ है, जिसके चलते प्रदेश के मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है।

प्रदेश के पांच सबसे कम न्यूनतम तापमान वाले शहरों में नर्मदापुरम जिले के पचमढ़ी शहर की रात सबसे ठंडी रही। यहां पारा 8 डिग्री दर्ज हुआ. इसके अलावा कल्याणपुर (शहडोल)/गिरवर (शाजापुर) में 9.4 डिग्री, आंवरी (अशोकनगर) में 10.2 डिग्री, देवरा (सिंगरौली) में 10.7 डिग्री और खजुराहो (छतरपुर) में 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

आज से तापमान में हो सकती है बढ़ोतरी

मौसम विभाग के अनुसार अभी वेस्टर्न डिस्टरबेंस और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की वजह से ऐसा मौसम है। मंगलवार को भी असर बना रहा, लेकिन बुधवार से पारे में फिर से बढ़ोतरी होने लगेगी। इससे दिन-रात में हल्की गर्मी का एहसास होगा।

सोमवार को भोपाल, इंदौर, दमोह, उमरिया, बालाघाट समेत कई शहरों में दिन के तापमान में गिरावट हुई। वहीं, रतलाम, उज्जैन, खंडवा, खरगोन, नर्मदापुरम, गुना, बैतूल, जबलपुर आदि शहरों में पारे में बढ़ोतरी हुई।

खंडवा-खरगोन और रतलाम में तो तापमान 33 डिग्री के पार पहुंच गया। इन शहरों में मंगलवार को पारा लुढ़क सकता है।

सम्पादकीय

भारत में आसान नहीं होगी टेस्ला की राह

टेस्ला को भारतीय ग्राहकों की रुचि जीतने में चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। भारत में ईवी की पैठ अभी बहुत कम है। जबकि चीन और अमेरिका में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी क्रमशः 30 प्रतिशत और 9.5 प्रतिशत है, भारत में यह सिर्फ 2.4 प्रतिशत है। टाटा मोटर्स इस सेगमेंट में अग्रणी भूमिका निभा रही है, और एमजी मोटर्स जैसे ब्रांड्स भी भारतीय ईवी बाजार में तेजी से अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2030 तक भारत में बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों (बीईवी) की हिस्सेदारी बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। हालांकि, इस तेजी से बढ़ते ईवी बाजार में टेस्ला की हिस्सेदारी 10-20 प्रतिशत तक हो सकती है, लेकिन यह कुल पैसेंजर वाहन बाजार में सिर्फ 2-5 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर सकेगी।

दुनिया भर में इलेक्ट्रिक वाहनों यानी ईवी के लिए पहचानी जाने वाली कंपनी टेस्ला अब भारत में अपनी एंट्री के लिए तैयार है, लेकिन क्या इसका असर भारतीय ऑटो सेक्टर पर उतना प्रभावी होगा, जितना की उम्मीद की जा रही है? ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म सीएलएसए ने इस मुद्दे पर एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें टेस्ला की भारत में एंट्री और इसके प्रभाव का गहन विश्लेषण किया गया है। भारत में टेस्ला की राह आसान नहीं होगी। आयात शुल्क, किफायती कीमतों की कमी और स्थानीयकरण की आवश्यकता कुछ ऐसी चुनौतियां हैं, जो कंपनी के लिए दिक्कतें खड़ी कर सकती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 40,000 डॉलर से अधिक की कारों पर 110 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाता है, जो टेस्ला के वाहनों की कीमत को और भी अधिक महंगा बना देगा। इसका असर सीधे तौर पर भारतीय बाजार में टेस्ला की बिक्री पर पड़ सकता है, क्योंकि भारतीय कंज्यूमर आमतौर पर 15 लाख रुपए से कम के वाहन खरीदने को प्राथमिकता देते हैं। अभी के लिए, टेस्ला का सबसे किफायती मॉडल, मॉडल 3, जिसकी कीमत लगभग 35,000 डॉलर है, भारत में 35-40 लाख रुपए के बीच बेचा जाएगा, जो इसे महिंद्रा एक्सईवी 9ई, हुंडई ई-क्रेटा और अन्य घरेलू ईवी मॉडल्स से 20-50 प्रतिशत अधिक महंगा बना देगा। इस कारण टेस्ला को भारतीय ग्राहकों की रुचि जीतने में चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। भारत में ईवी की पैठ अभी बहुत कम है। जबकि चीन और अमेरिका में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी क्रमशः 30 प्रतिशत और 9.5 प्रतिशत है, भारत में यह सिर्फ 2.4 प्रतिशत है। टाटा मोटर्स इस सेगमेंट में अग्रणी भूमिका निभा रही है, और एमजी मोटर्स जैसे ब्रांड्स भी भारतीय ईवी बाजार में तेजी से अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2030 तक भारत में बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों (बीईवी) की हिस्सेदारी बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। हालांकि, इस तेजी से बढ़ते ईवी बाजार में टेस्ला की हिस्सेदारी 10-20 प्रतिशत तक हो सकती है, लेकिन यह कुल पैसेंजर वाहन बाजार में सिर्फ 2-5 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर सकेगी। बहरहाल सबसे पहले 2022 और फिर 2024 में नाकामी मिलने के बाद आखिर इस साल की दूसरी तिमाही में टेस्ला भारत की सड़कों पर उतर सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान इसी महीने टेस्ला के मुखिया एलन मस्क ने उनसे मुलाकात की थी और शायद उस बैठक ने दुनिया की इस दूसरी सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक कार कंपनी को भारत पर दांव खेलने का हौसला दिया है। टेस्ला के साथ बातचीत को शुल्क पर पुनर्विचार करने के भारत सरकार के कदम का हिस्सा भी माना जा सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उनके देश को होने वाले भारतीय निर्यात पर जवाबी ऊंचा शुल्क लगाने की धमकी दी है, जिसके बाद सरकार यह कवायद कर रही है। लेकिन टेस्ला पर सरकार का रुख पिछले साल ही बदलता लगने लगा था, जब उसने इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियों को पांच साल में पूरी तरह तैयार (सीबीयू) वाहनों की 40,000 तक इकाइयां 15 फीसदी सीमा शुल्क पर आयात करने की इजाजत दे दी थी। इन पर पहले 100 फीसदी सीमा शुल्क लगता था। लेकिन एक साल में 8,000 से अधिक सीबीयू वाहन आयात नहीं किए जा सकते। इसके साथ शर्त हैं कि वाहन निमार्ता कंपनी को भारत में 50 करोड़ डॉलर निवेश करना होगा, जिसमें कारखाना लगाना शामिल है और 50 फीसदी निवेश तीन साल के भीतर करना होगा। खबरें हैं कि टेस्ला भारत में असेंबली कारखाने के लिए जगह और सेल्स टीम के लिए कर्मचारी तलाश रही है। ऐसे में सवाल यह भी उठता है कि भारत के इलेक्ट्रिक कार उद्योग को इससे तगड़ा झटका तो नहीं लगेगा। अभी तो ऐसा होता नहीं लगता। इसकी पहली वजह तो ट्रंप ही हैं, जिन्होंने अपने डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी के मुखिया मस्क से इस बात पर नाराजगी जाहिर की है कि टेस्ला अमेरिका के बजाय भारत में कारखाना लगाने के लिए निवेश क्यों कर रही है।

शिव का वास्तविक अर्थ है, 'वह जो नहीं हैं'

व्यापक शून्यता अस्तित्व का आधार और ब्रह्मांड का मूलभूत गुण है। अरबों विशाल तारामंडल इस व्यापक शून्यता में बस जरा सी छींटें हैं। इस विशाल शून्यता को ही हम शिव कहते हैं। आप नहीं जानते, इसलिए आप जानने की कोशिश कर रहे हैं। खोज या जिज्ञासा एक अज्ञानता, एक शून्य से उभरती है, जिससे आप बाहर आना चाहते हैं। जिज्ञासा तलाश करना है। आप उस चीज को नहीं जानते, आप खोज कर रहे हैं, आप रास्ता ढूंढ रहे हैं। दुर्भाग्यवश, दुनिया में अधिकतर लोग कोशिश नहीं करना चाहते और विश्वास उनके लिए एक आसान विकल्प होता है। आप सिर्फ विश्वास कर लेते हैं कि ईश्वर और शैतान का अस्तित्व है। आप इससे खुद को बेवकूफ बना सकते हैं, लेकिन इसका कोई मायने नहीं है, क्योंकि यह आपके दिमाग की उपज है।

हम में से अधिकतर लोग शिव को एक भगवान के रूप में जानते, मानते और पूजते रहे हैं। लेकिन क्या कभी सोचा है कि शिव का मतलब क्या है? शिव कहां से आए? क्या ईश्वर में विश्वास करना चाहिए? लोग अकसर मुझसे पूछते हैं कि उन्हें ईश्वर में विश्वास करना चाहिए या नहीं। विश्वास की बात इसलिए आती है क्योंकि आप सच्चाई से स्वीकार नहीं करते कि आप नहीं जानते। 'मैं नहीं जानता' एक जबर्दस्त संभावना है। मैं आपसे एक सवाल पूछता हूं- क्या आपको विश्वास करते हैं कि आपके दो हाथ हैं, या आप जानते हैं कि आपके पास दो हाथ हैं? आपके पास दो हाथ हैं, यह जानने के लिए आपको अपनी बाहें देखने की जरूरत नहीं है, क्योंकि उसे आप अपने अनुभव से जानते हैं। तो फिर ऐसा क्यों है कि हाथों की बात होती है तो आप जानते हैं, मगर ईश्वर के मामले में आप विश्वास करते हैं? क्योंकि आप ईमानदारी से स्वीकार नहीं करना चाहते कि आप नहीं जानते।

विश्वास की बात इसलिए आती है क्योंकि आप सच्चाई से स्वीकार नहीं करते कि आप नहीं जानते। 'मैं नहीं जानता' एक जबर्दस्त संभावना है। जब आप समझ लेते हैं कि 'मैं नहीं जानता', तभी जानने की इच्छा उभरती है। जानने की इच्छा पैदा होने पर खोजने की जिज्ञासा होगी। खोज से जानने की संभावना होती है। लेकिन जिस चीज के बारे में आप नहीं जानते, उस पर सिर्फ विश्वास कर लेने पर यह पक्का हो जाता है कि आप उसे कभी नहीं जान पाएंगे।

अगर उसके बारे में हम बस विश्वास कर लें, तो वास्तव में कोई खोज नहीं हो सकती। जब व्यक्ति नहीं जानता, तभी उसकी खोज सच्ची होती है। खोज हमेशा 'मैं नहीं जानता' से उत्पन्न होती है।

व्यापक शून्यता अस्तित्व का आधार और ब्रह्मांड का मूलभूत गुण है। अरबों विशाल तारामंडल इस व्यापक शून्यता में बस जरा सी छींटें हैं। इस विशाल शून्यता को ही हम शिव कहते हैं। आप नहीं जानते, इसलिए आप जानने की कोशिश कर रहे हैं। खोज या जिज्ञासा एक अज्ञानता, एक शून्य से उभरती है, जिससे आप बाहर आना चाहते हैं। जिज्ञासा तलाश करना है। आप उस चीज को नहीं जानते, आप खोज कर रहे हैं, आप रास्ता ढूंढ रहे हैं। दुर्भाग्यवश, दुनिया में अधिकतर लोग कोशिश नहीं करना चाहते और विश्वास उनके लिए एक आसान विकल्प होता है। आप सिर्फ विश्वास कर लेते हैं कि ईश्वर और शैतान का अस्तित्व है। आप इससे खुद को बेवकूफ बना सकते हैं, लेकिन इसका कोई मायने नहीं है, क्योंकि यह आपके दिमाग की उपज है।

लोगों के मन में कई तरह के विश्वास होते हैं। वे स्वर्ग की बात करते हुए एक ऐसी जगह की कल्पना करते हैं, जहां आपको भोजन, स्त्रियां, ईश्वर और भी बहुत सी चीजें मिल सकती हैं, जो चीजें आपको धरती पर नहीं मिलतीं। जिन चीजों से अभी आप वंचित हैं, उन्हें आप 'ऊपर' पाना चाहते हैं। इसीलिए, भारतीय संस्कृति में 'शि-व' कहा गया, जिसका अर्थ है 'वह जो नहीं है'। जब हम शिव कहते हैं, तो हम किसी ईश्वर की बात नहीं करते। शिव का वास्तविक अर्थ है, 'वह जो नहीं है'। आधुनिक भौतिक विज्ञानियों ने भी यह साबित कर दिया है कि पूरी सृष्टि शून्य से निकली है और शून्य में ही चली जाएगी। व्यापक शून्यता अस्तित्व का आधार और ब्रह्मांड का मूलभूत गुण है। अरबों विशाल तारामंडल इस व्यापक शून्यता में बस जरा सी छींटें हैं। इस विशाल शून्यता को ही हम शिव कहते हैं।

तो, ऊपर क्या है? कुछ नहीं, यानी शून्य। आप 'कुछ नहीं' की कल्पना कैसे करेंगे? कोशिश करके देखिए। आप जितनी अधिक कोशिश करेंगे, आपके दिमाग में जितने भी भौतिक रूप हैं, वे नष्ट होते जाएंगे।

भौतिकता से परे जाते हुए भी अगर आप इस दुनिया में हैं, तो इसका अर्थ है कि आपने किसी और चीज को छू लिया है। उस किसी और चीज को हमने 'वह, जो नहीं है' कहा। इस संस्कृति में आपको लगातार शिव शब्द का जाप करने को कहा गया, क्योंकि हम आपके बनाए हुए हर रूप को नष्ट करना चाहते हैं। चाहे आपने देवता बनाए, भूत या पिशाच, उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्हें आपने ही बनाया है। अगर आप उन्हें नष्ट नहीं करेंगे, तो आप कभी हकीकत को उस तरह नहीं देख पाएंगे, जैसी वह वास्तव में है। आपको हमेशा ये चीजें आस-पास तैरती दिखाई देंगी। इसलिए इसे एक प्रक्रिया की तरह सिखाया गया, जिससे आप इन सारी चीजों को नष्ट कर सकते हैं।

एक आध्यात्मिक प्रक्रिया का मूलभूत तत्व यह है कि आप किसी चीज की कल्पना नहीं करते हैं। जब आप 'शिव' कहते हैं, तो इसका मतलब यह नहीं है कि आप यह विश्वास करते हैं कि शिव आसमान में ऊपर बैठे हैं। आप बस उस ध्वनि को एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल करते हैं। इस ध्वनि का इस्तेमाल बिना किसी आधार के नहीं किया गया। हमने देखा और महसूस किया है कि अलग-अलग तरह की ध्वनियां आपके ऊपर कैसा असर करती हैं। शि-व की ध्वनि उसे नष्ट करने का तरीका है, ताकि जीवन हर पल नए रूप में आरंभ हो। आपका मनोवैज्ञानिक पहलू एक दर्पण जैसा हो जाएगा। जो चीज उसके सामने होगी, वह सिर्फ उसे ही दिखाएगा, और कुछ नहीं। आपके मन को ऐसा ही होना चाहिए। फिर वह एक उपयोगी मन होगा। फिलहाल बहुत सारी चीजें उससे चिपकी हुई हैं। मान लीजिए, आपके घर का दर्पण ऐसा हो जाए कि उसके सामने जो चीज हो, उसका दस फीसदी प्रतिबिंब ही आ पाए। तो वह तुरंत बेकार हो जाएगा।

जिस चीज का कोई मानसिक चित्र नहीं बन सकता, जब आप उसे विचार में लाने की कोशिश करते हैं, तो आप एक निराकार चीज को देखने की कोशिश कर रहे होते हैं। अगर आप वास्तव में इसका प्रयास करते हैं, तो यही खोज है। फिर आप भौतिक सृष्टि से परे चले जाते हैं। भौतिकता से परे जाते हुए भी अगर आप इस दुनिया में हैं, तो इसका अर्थ है कि आपने किसी और चीज को छू लिया है। उस किसी और चीज को हमने 'वह, जो नहीं है' कहा।

आप 'शिव' इसलिए कहते हैं क्योंकि आप उस चीज की परिकल्पना करते हैं, जो नहीं है। आप इस दिशा में जितनी कोशिश करेंगे, आपका मन उतना ही स्पष्ट और समरूप होता जाएगा। जब आपके पास समतल और साफ दर्पण होगा, तो आप उसमें चीजों को वास्तविक रूप में देख पाएंगे क्योंकि आप अपने मन के विस्तार में ही अस्तित्व की सभी चीजों को देखते हैं। आपकी पसंद-नापसंद, प्रेम-घृणा, सब कुछ नष्ट हो जाएगा। जब आपके पास समतल और साफ दर्पण होगा, तो आप उसमें चीजों को वास्तविक रूप में देख पाएंगे क्योंकि आप अपने मन के विस्तार में ही अस्तित्व की सभी चीजों को देखते हैं। अगर आप उसे साफ और समतल नहीं रखेंगे, तो आपको उसमें अपने ही भूत दिखाई देंगे।

मैं आपको एक चुटकुला सुनाता हूं। एक आदमी मेडिकल चेकअप के लिए भर्ती हुआ। वह बहुत संकोची और सुशील आदमी था और ऐसे फिजिकल चेकअप का अभ्यस्त नहीं था। उसके कपड़े उतार कर उससे काफी सारी चीजें करवाई गईं। उसका वजन किया गया, ऊंचाई नापी गई, ट्रेडमिल पर चढ़ाया गया, बहुत सी चीजें कराई गईं। इन सब के बीच उसे बाथरूम का इस्तेमाल नहीं करने दिया गया। आखिर उससे बर्दाश्त नहीं हुआ और उसने बिस्तर पर ही मलत्याग कर दिया। वह नहीं चाहता था कि उसकी देखभाल में लगी सुंदर सी नर्स को पता चले कि उसने चादर पर क्या किया है क्योंकि वह बहुत संकोची था। इसलिए उसने चादर उठाई और तीसरे फ्लोर की खिड़की से बाहर फेंक दिया।

नीचे सड़क पर एक शराबी चल रहा था, जो धरती का आकार पता करने की कोशिश में लगा था। आप कल्पना से किस तरह बच सकते हैं? क्योंकि यादें होंगी तो कल्पना भी होगी। इसलिए यह उपकरण आपको दिया गया कि उस चीज की परिकल्पना करें, जो नहीं है। अचानक यह सफेद चादर उड़ती हुई उस पर आ गिरी। वह चादर को हटाने के लिए हाथ-पैर चलाने लगा और इधर-उधर लुढकने लगा। आखिरकार बहुत मुश्किल से किसी तरह वह चादर को हटा पाया। फिर वह ध्यान से नीचे गिरी गंदी चादर को देखने लगा। तभी किसी ने आकर पूछा, क्या हुआ? वह बोला, मुझे लगता है कि मैंने भूत को इतना पीट दिया कि उसका मल निकल गया। ज्यादातर लोगों के साथ यही होता है। आप ऐसे भूतों के साथ लड़ते रहते हैं, जिनका अस्तित्व ही नहीं होता। आप उनसे लड़कर जीत सकते हैं मगर आप जितना जीतेंगे, उतना ही खोएंगे।

साधना का मतलब किसी चीज की कल्पना करते हुए वहां तक पहुंचना नहीं है, वह तो पागलपन है। इसमें आप कोई कल्पना नहीं करते। आप कल्पना से किस तरह बच सकते हैं? क्योंकि यादें होंगी तो कल्पना भी होगी। इसलिए यह उपकरण आपको दिया गया कि उस चीज की परिकल्पना करें, जो नहीं है। कोशिश करते रहें और आप देखेंगे कि आपका मन खाली होता जाएगा।

...तो महाशिवरात्रि को नहीं हुआ था शिव-पार्वती का विवाह?

शिवरात्रि के दिन माना जाता है कि भगवान शिव और पार्वती का विवाह हुआ था। इस दिन लोग मंदिरों में शिव बारात का भी आयोजन करते हैं, लेकिन मथुरा के शिव पुराण प्रवक्ता आचार्य मृदुल कांत शास्त्री ने इसे गलत बताया है। उन्होंने कहा है कि शिवरात्रि शिव और पार्वती के विवाह की तिथि नहीं है। यह एक गलत परंपरा पिछले कुछ वर्षों से प्रारंभ कर दी गई है, जिसके कारण लगभग पूरे विश्व में हर सनातनी यही मानता है कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान शंकर और पार्वती का विवाह हुआ था। इसी उपलक्ष्य में संपूर्ण देश के अलग-अलग स्थान में गांव में विभिन्न मंदिरों में शिव बारात निकाली जाती है। शिव पार्वती के विवाह उत्सव का आयोजन किया जाता है, जो की एक गलत परंपरा बन चुकी है।

शिव पुराण प्रवक्ता आचार्य मृदुल कांत शास्त्री ने दावा किया है कि, शिवरात्रि शिव और पार्वती के विवाह की तिथि नहीं है यह एक गलत परंपरा पिछले कुछ वर्षों से प्रारंभ कर दी गई है, जिसके कारण लगभग पूरे विश्व में हर सनातनी यही मानता है कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान शंकर और पार्वती का विवाह हुआ था। इसी उपलक्ष्य में संपूर्ण देश के अलग-अलग स्थान में गांव में विभिन्न मंदिरों में शिव बारात निकाली जाती है। शिव पार्वती के विवाह उत्सव का आयोजन किया जाता है, जो की एक गलत परंपरा बन चुकी है। यह सनातन को अपने मुख्य धारा से भटकने का कुत्सित प्रयास है। आचार्य मृदुलकांत शास्त्री ने शिव महापुराण, श्री लिंग पुराण, श्री स्कंद पुराण आदि पुराणों के प्रमाण देते हुए स्पष्ट किया है कि मार्गशीर्ष के महीने में सोमवार के दिन भगवान शंकर पार्वती का विवाह संपन्न हुआ था। दूसरी बात मार्गशीर्ष के महीने में ही जब ब्रह्मा और विष्णु का युद्ध हुआ तब भगवान शंकर उस युद्ध को रोकने के लिए विशाल अग्नि स्तंभ के रूप में प्रकट हो गए थे, जिसका आदि और अंत न ब्रह्मा ने पाया न भगवान नारायण ने। इसी प्रसंग में झूठ बोलने पर भगवान शंकर ने भैरवनाथ को प्रकट किया। जिन्होंने झूठ बोलने वाले ब्रह्मा जी का पांचवा सर धड़ से अलग कर दिया। तब भगवान शंकर ने अपने अग्निस्तंभ के आकार को छोटा करके शिवलिंग के रूप में परिणत कर दिया। आचार्य मृदुल कांत शास्त्री ने बताया कि शिवरात्रि के दिन शिवलिंग प्रकट हुआ था। यह शिवरात्रि के नाम से जगत में विख्यात हुई स्वयं भगवान शंकर ने कहा कि मेरी समस्त तिथियों में यह शिवरात्रि सबसे पवित्र और मुझे सबसे अधिक प्रिय है। उन्होंने बताया कि भगवान शंकर के प्राकट्य की तिथि को किस प्रकार से विवाह की तिथि के रूप में प्रचारित प्रसारित किया गया। इसे रोकने का कभी किसी ने कोई प्रयास भी नहीं किया। आचार्य विष्णु कांत शास्त्री ने सभी सनातनियों से निवेदन किया है कि आगामी महाशिवरात्रि को शिव विवाह न करें। अपितु भगवान शंकर की चार प्रहर में पूजा करके शिवलिंग के प्राकट्य का उत्सव मनाएं और उनका आशीर्वाद प्राप्त करें।

बता दें कि भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित त्रियुगीनारायण गांव में हुआ था। यह स्थान कभी हिमालयराज की राजधानी हुआ करता था और यहां माता पार्वती का मायका था। त्रियुगीनारायण गांव को शिव-पार्वती विवाह स्थल के रूप में जाना जाता है और यहां त्रियुगीनारायण मंदिर इस पवित्र विवाह का गवाह है। जब भगवान शिव ने माता पार्वती के विवाह प्रस्ताव को स्वीकार किया, तब माता के पिता राजा हिमालय ने बड़े धूमधाम से शादी की तैयारियां शुरू कर दी थीं। इस विवाह में भगवान विष्णु माता पार्वती के भाई बने थे और विवाह की सभी रस्में पूरी करवाईं। भगवान ब्रह्मा इस विवाह के पुरोहित थे, इसलिए मंदिर के सामने ब्रह्मशिला नामक एक पत्थर भी स्थित है, जिसे विवाह स्थल माना जाता है।

विवाह से पहले सभी देवी-देवताओं ने पवित्र स्नान किया था, जिसके लिए यहां तीन कुंड बनाए गए थे। जिन्हें रुद्रकुंड, विष्णुकुंड और ब्रह्मकुंड कहते हैं। इन तीनों कुंडों में जल सरस्वती कुंड से आता है, जिसके बारे में मान्यता है कि यह भगवान विष्णु की नासिका से उत्पन्न हुआ था। कहा जाता है कि इन कुंडों में स्नान करने से संतान सुख की प्राप्ति होती है।

त्रियुगीनारायण मंदिर की सबसे खास बात यह है कि यहां एक अग्निकुंड है, जो तीनों युगों (सत्ययुग, द्वापरयुग और त्रेतायुग) से जल रहा है। इसे त्रियुगी नारायण मंदिर की अंखड धुनी भी कहा जाता है। मान्यता है कि इसी पवित्र अग्नि को साक्षी मानकर भगवान शिव और माता पार्वती ने सात फेरे लिए थे। यही कारण है कि भक्त इस अग्निकुंड की राख को प्रसाद के रूप में अपने घर ले जाते हैं। ऐसा कहा जाता है कि इस राख को हमेशा अपने साथ रखने से वैवाहिक जीवन सुखी बना रहता है और इसमें कोई परेशानी नहीं आती।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, विवाह के दौरान भगवान शिव को उपहार में एक गाय मिली थी, जिसे त्रियुगीनारायण मंदिर के पास एक विशेष स्थान पर बांधा गया था। इस स्तंभ को आज भी संजोकर रखा गया है और यहां आने वाले श्रद्धालु इसे देखने जरूर जाते हैं। माता पार्वती ने भगवान शिव को पाने के लिए कठिन तपस्या की थी। यह तपस्या गौरीकुंड में की गई थी, जो त्रियुगीनारायण से कुछ ही दूरी पर स्थित है। खास बात यह है कि गौरीकुंड का पानी हमेशा गर्म रहता है, चाहे सर्दी हो या गर्मी। यह भी एक धार्मिक स्थल है, जहां श्रद्धालु स्नान कर पुण्य प्राप्ति की कामना करते हैं।

त्रियुगीनारायण में हर साल सितंबर माह की बावन द्वादशी तिथि पर एक बड़ा मेला लगता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु शामिल होते हैं। यह मेला भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह की याद में मनाया जाता है। अगर आप भी भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह स्थल के दर्शन करना चाहते हैं, तो उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित त्रियुगीनारायण गांव जा सकते हैं। निकटतम रेलवे स्टेशन ऋषिकेश है और सबसे नजदीकी हवाई अड्डा जॉली ग्रांट एयरपोर्ट, देहरादून है।

लोक में शिव और पार्वती प्रथम युगल माने गए हैं। धूनी रमाने वाले औघड़ जोगी शिव से पार्वती जी के विवाह का विचार ही अद्भुत है। पार्वती आदिशक्ति हैं, उनके प्रेम और समर्पण ने उन शिव को गृहस्थी के संसार में बांध लिया है, जो मृत्युंजय हैं, भैरव हैं, महायोगी हैं। शिव-पार्वती का विवाह सबको आनंद देने का अवसर है। सभी देवी-देवता शिव-पार्वती विवाह को लेकर अच्छे-खासे उत्साहित थे। लेकिन शिवजी के सामने एक समस्या थी। भोले बाबा तो मसानवासी औघड़ ठहरे। तो वे बरात में किसको ले जाते? अंततः भगवान शिव, जिन्हें बाबा भूतनाथ भी कहते हैं, वो भूतों और प्रेतों की बरात ले कर चल पड़े विवाह करने के लिए, 'बरातिया लई के आई गए बम बन भोला।'

शिव-पार्वती के विवाह के प्रसंग से मैथिली, भोजपुरी, अवधी लोकसहित्य भरा हुआ है। जब यह बरात माता पार्वती के दरवाजे पर पहुंची तो डर के मारे भगदड़ मच गई। बाराती के नाम पर भूत-प्रेत और दूल्हे के श्रृंगार के नाम पर भस्म का लेपन और गले में नरमुंड-हड्डियों की माला। लोकमान्यता है कि शिव की बरात देख पार्वती की माता मैनावती मूर्छित हो गई -

अरे रामा दूल्हा बने त्रिपुरारी
भईल दुर्गतिया री हारी
हाथ पकड़ी समझाए मैना
भोला से नाही बियहबो रामा
अरे रामा भोला त्रिलोक के स्वामी
भईल दुर्गतिया री हारी।

यह भी कहा जाता है कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव ने समुद्र मंथन से निकले कालकूट नामक विष को पिया था। भोलेनाथ ने संसार की रक्षा के लिए इसको अपने कंठ में धारण किया और नीलकंठ कहलाए। इसीलिए शिवलिंग पर जल अर्पण करना महादेव को शांति-शीतलता प्रदान करना है। शिवरात्रि की रात्रि से सृष्टि की शुरुआत मानी गई है। इसी दिन भगवान शिव का निराकार से साकार रूप में अवतरण हुआ था। वसंत के चरमोत्कर्ष पर शिवरात्रि का आगमन शिवत्व की प्राप्ति की कामना में लीन मनुष्यता की अदम्य कामना को समर्पित विश्व प्रार्थना है! संपूर्ण भारतवर्ष में भगवान शिव की लीला पसरी हुई है।

पाकिस्तान में बने कटासराज मंदिर का भगवान शिव से नाता

महाशिवरात्रि से पहले अमृतसर से 154 हिंदुओं का जत्था पाकिस्तान स्थित प्रसिद्ध कटासराज महादेव के मंदिर के लिए रवाना हो चुका है। पाकिस्तान उच्चायोग ने शुक्रवार को बताया था कि उसने अपने देश के पंजाब प्रांत स्थित श्री कटासराज मंदिर में दर्शन करने के लिए भारत के 154 तीर्थयात्रियों को वीजा जारी किए हैं। श्रद्धालु दो मार्च तक मंदिर में दर्शन करेंगे। वैसे तो पाकिस्तान में कई हिंदू मंदिर हैं लेकिन कटासराज की कई पौराणिक मान्यताएं भी हैं। यह मंदिर पाकिस्तान के चकवाल गांव से करीब 40 किलोमीटर की दूरी पर कटस में है। यह मंदिर एक पहाड़ी पर स्थित है। इसके अलावा मंदिर के बगल ही पवित्र कुंड है जिसमें लोग स्नान करते हैं। हर साल हजारों यात्री यहां महादेव के दर्शन करने पहुंचते हैं। दिसंबर में भी भारतीय हिंदुओं का जत्था कटासराज गया था।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार जब दक्ष पुत्री और शिव पत्नी सती ने यज्ञ में आत्मदाह कर लिया तो भगवान शंकर अथाह शोक के सागर में डूब गए। उस समय उन्हें खुद की भी सुध नहीं रही। इसके बाद भगवान इसी स्थान पर पहुंचे और उन्होंने सती की याद में आसूं बहाए। कहा जता है कि उन आंसुओं से ही यहां दो कुंडों का निर्माण हो गया। एक का नाम कटाक्ष कुंड है जो कि यहीं स्थित है। इसके अलावा मान्यता है कि दूसरा कुंड राजस्थान के पुस्कर में स्थित है। कटासराज शब्द की उत्पति के पीछे भी कहानी है। दक्ष ने अपनी पुत्री सति और भगवान शिव पर कटाक्ष किए थे। इसी वजह से जगह का नाम कटास पड़ा। यहां बने हुए दोनों ही मंदिर की शिल्प कला बेहद पुरानी है। कहा जाता है कि पांडवों ने यहां सात मंदिरों का निर्माण करवाया था।

कटासराज मंदिर का इतिहास महाभारत काल से भी जुड़ा हुआ है। कहा जाता है कि पहली बार द्यूत में हारने के बाद पांडवों ने 12 वर्ष का वनवास और एक वर्ष का अज्ञातवास स्वीकार किया था। इस दौरान उन्होंने चार साल का वक्त यहां भी काटा। यह मंदिर निमकोट पर्वत श्रृंखला पर स्थित है। कहा जाता है कि भगवान कृष्ण की प्रेरणा से ही यहां मंदिर का निर्माण हुआ था। इसके अलावा यही वह जगह है जहां यक्ष ने पांचों पांडवों और युधिष्ठिर से प्रश्न किए थे। चारों भाई जवाब नहीं दे सके तो उनकी मृत्यु हो गई। वहीं जब युधिष्ठिर ने सही उत्तर दिए तो यक्ष ने सभी भाइयों को जीवित कर दिया। विभाजन से पहले पंजाब, सिंध, बलूचिस्तान और तक्षशिला के अलावा अफगान क्षेत्र में रहने वाले लोग भी यहां दर्शन करने आते थे। बहुत सारे लोग पितरों का श्राद्ध और तर्पण भी इस कुंड में किया करते थे। वहीं इस मंदिर के आसपास सेंधा नमक की खदानें भी हैं। लोग व्रत के दौरान इस नमक का सेवन करते हैं। भारत में इसे आयात किया जाता है।

थाना कोतमा पुलिस द्वारा मोटर साइकिल गिरोह के तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, अनूपपुर दिनांक 24 .2 .2025 को फरियादी आकाश कुमार पनिका पिता परमेश्वर पनिका उम्र 26 साल निवासी कतकोना थाना बिजली ने रिपोर्ट किया की रविवार को शाम 5:00 अपनी पत्नी के साथ कोतमा बाजार करने अपनी मोटर साइकिल डीलक्स नंबर एमपी 65 एमसी 7915 आया था आजाद चौक के पास जैन साइकिल स्टोर के सामने मोटरसाइकिल को खड़ी कर बाजार करने लगा बाजार करने के बाद वापस आया तो देखा मोटरसाइकिल नहीं है काफी पता तलाश के बाद मोटरसाइकिल नहीं मिली जिसकी कीमत 80,000/- किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट पर थाना कोतमा में अपराध क्र0 69/25 धारा 303(2) बीएनएस का पंजीकृत कर विवेचना में लिया गया.

प्रकरण के विवेचना के दौरान थाना क्षेत्र के पूर्व के बाइक चोरों के संबंध में जानकारी इकट्ठी कर संदेही 01.राजेश उर्फ राकेश जयसवाल पिता जवाहर जायसवाल उम्र 25 वर्ष निवासी जर्रा टोला खोडरी थाना कोतमा को अभिरक्षा में लेकर पूछतांछ की गई जो बताया कि रविवार के शाम के समय अपने दोस्त 02. सूरज केवट पिता छोटेलाल निवासी जर्रा टोला खोडरी के साथ अपनी अपनी मोटरसाइकिल में कोतमा बाजार आए थे जहां दोनों ने मिलकर बाइक चोरी करने की योजना बनाई और आजाद चौक के पास जैन साइकिल स्टोर के सामने खड़ी मोटरसाइकिल एचएफ डीलक्स को सूरज केवट की मोटरसाइकिल की चाबी से चालू कर के चोरी कर ले गए मोटर साइकिल बेचने के लिए 03. मोहम्मद सैफ उर्फ लल्लू निवासी कोतमा को देना बताए उक्त तीनों आरोपियों को अभिरक्षा में लेकर आरोपी राजेश उर्फ राकेश जायसवाल से घटना में प्रयुक्त स्कूटी क़ीमत 70000/-, आरोपी सूरज केवट से मोटरसाइकिल एच एफ डीलक्स कीमत 80000/- एवं आरोपी मोहम्मद सैफ से चोरी की मोटर साइकिल डीलक्स नंबर एमपी 65 एमसी 7915 कीमत 80000/- तीनों मोटरसाइकिल की कुल कीमत 2,30000/- को आरोपियों से जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया है, आरोपी राजेश जायसवाल पूर्व में भी चोरी के मामले में जेल जा चुका है,,,

मामले में श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री मोती उर रहमान, श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय अनूपपुर के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कोतमा के निर्देशन में थाना प्रभारी कोतमा सुंद्रेश सिंह के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक विनय सिंह, प्रधान आरक्षक 122 संजय त्रिपाठी, आरक्षक 232 अभय त्रिपाठी, 435 संजय द्विवेदी, 485 शुभम तिवारी , 417 सत्यभान सिंह , 370 जितेंद्र मंडलोई 219 मुमताज एवं साइबर सेल प्रधान आरक्षक राजेंद्र अहिरवार, आरक्षक पंकज मिश्रा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है ।

महाशिवरात्रि पर्व पर अमरकंटक में पांच दिवसीय मेले का आज होगा शुभारंभ

मेला के लिए आवश्यक प्रबंध की तैयारियां पूर्ण

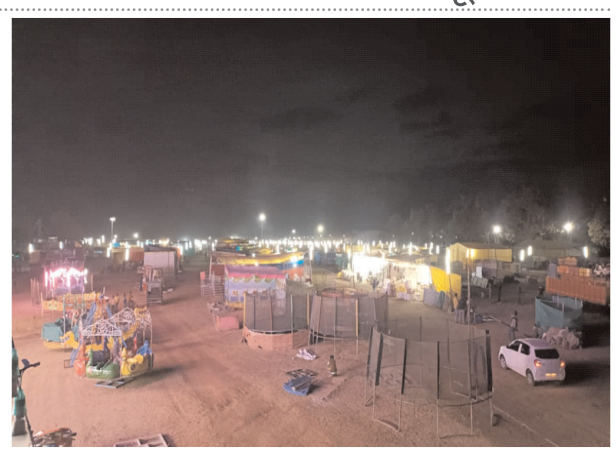

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, मां नर्मदा के उद्गम क्षेत्र पवित्र नगरी अमरकंटक में महाशिवरात्रि के पर्व के अवसर पर पांच दिवसीय मेले का आयोजन किया गया है। 26 फरवरी महाशिवरात्रि पर मेले का शुभारंभ किया जाएगा। मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ एवं अन्य राज्य से श्रृद्धालु सपरिवार इस अवसर पर अमरकंटक आकर उत्सव का आनंद लेते हैं। इस अवसर पर जिला प्रशासन एवं स्थानीय प्रशासन के द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं, सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली के दिशानिर्देशन में मेला की आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। सर्किट हाऊस के पीछे स्थित मेला ग्राउंड में प्रदर्शनी के साथ ही दुकानें, झूला, मनोरंजक साधन तथा मिष्ठान की दुकानें सहित विविध सामग्रियों की दुकानें सजाई जा रही हैं। नर्मदा उद्गम मंदिर तथा नर्मदा घाट तथा देवालयों में पूजा-अर्चन, रुद्राभिषेक, जप की व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई हैं। बड़ी संख्या में श्रृद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए पार्किंग तथा यातायात, स्वास्थ्य, फायर सेफ्टी, पेयजल आदि व्यवस्था के साथ ही कार्यपालिक मजिस्ट्रेट व पुलिस बल की तैनातगी की गई है। अनुविभागीय दण्डाधिकारी पुष्पराजगढ़ श्री महिपाल सिंह गुर्जर के नेतृत्व में टीम द्वारा दायित्वों का निर्वहन किया जा रहा है।

जिला स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही क्या कोई नई घटना का इंतजार कर रहे हैं

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर आए दिन अखबारों में खबरें लगते हैं पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर आर के वर्मा कुछ जानकारी देने से इनकार करते हैं अगर फिर समाचार पत्रों उन तक जानकारी पहुंचते हैं पर गोल-गोल करते हैं और कोई कार्रवाई नहीं करते हैं जबकि अनूपपुर जिले के अंदर कई घटनाएं हो चुकी हैं पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे है इतना ही नहीं हाल ही में एक बड़ी घटना कोतमा नगर में हुई है एक डॉक्टर क्लीनिक डाले बैठा हुआ था उसकी जानकारी हमने कई बार दी पर डॉक्टर आरके वर्मा और उनकी टीम कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं जब एक बड़ी घटना हो जाएगी तो ध्यान देंगे और समाचार पत्रों के माध्यम से जानकारी दी जाती है तो वह कार्रवाई करने के लिए पर कार्रवाई नहीं करते ऐसे में गई तो डॉ आर के वर्मा को झोलाछाप डॉक्टर उन्हें तो भगवान मानते हैं उन्हें कार्रवाई ना करनी पड़ी इतना ही नहीं आए दिन झोलाछाप डॉक्टर गांव गांव और गली-गली क्लीन डाल कर बैठे हुए हैं किसी और घटना का इंतजार कर रहे हैं इन झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्रवाई नहीं हो रही है जब कोई बड़ी घटना हो जाती है तो वह नींद से जागते हैं और समाचार पत्रों में जब खबर लगती है तो जाकर वह कार्रवाई करने की कोशिश करते हैं पर समाचार पत्रों से पहले ही अगर इनको कोई जानकारी मिलती है यह उनके ऊपर कारवाई नहीं करते हैं और ऐसे झोलाछाप डॉक्टरों अपनी नई दुकान खोल कर चला रहे हैं को आखिर इन झोलाछाप डॉक्टरों से इनको क्या फायदा होता है यह तो सुन लीजिए इनके बीएमओ बंधे हुए हैं क्योंकि जिला स्वास्थ्य अधिकारी नहीं चाहते हैं इन झोलाछाप डॉक्टरों के ऊपर कोई कार्रवाई हो जिले में बैठे अधिकारी ही जानेंगे हम आए दिन खबर लग रहे हैं पर कोई भी कार्रवाई नहीं की जा रही है ऐसे में हम जिला प्रशासन से और मध्य प्रदेश शासन से हम निवेदन करेंगे की जल्द से जल्द इन झोलाछाप डॉक्टरों के ऊपर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए

उद्यमियों की समस्याओं का करें त्वरित समाधान - मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन

सीडीओ की अध्यक्षता में हुई जिला उद्योग बंधु की बैठक

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र)
सहारनपुर, जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल के निर्देशों के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में जिला उद्योग बंधु की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि निवेश मित्र पोर्टल पर लंबित प्रकरणों का निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापरक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

सुमित राजेश महाजन ने औद्योगिक क्षेत्र पिलखनी में बन्द पडी इकाईयों के संबंध में निर्देशित किया कि बंद पड़ी इकाईयों को पुन: इकाई चलाने के लिए 03 माह का समय दिया जाए। इसके साथ इकाईयों के स्वामियों को इकाई शुरू करने के लिए हरसंभव मदद करने के भी निर्देश दिए। औद्यौगिक क्षेत्र पिलखनी में बने तालाब पर सौंदर्यकरण के लिए यूपीसीडा को निर्देशित किया। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि उद्योगबंधुओं से जुडे कार्यों को शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर करें। हौजरी मैन्यू0 एसोसिएशन द्वारा जनता रोड की औद्योगिक इकाइयों को लिंक रोड स्थित 66 केवीए विद्युत फीडर से संबंधित कार्य के सम्बन्ध में अधिशासी अभियंता द्वारा अवगत कराया कि मरम्मत के कार्य की टेस्टिंग के लिए फर्म का चयन कर लिया गया। टेस्टिंग के बाद आने वाली रिपोर्ट के आधार पर कार्यवाही की जाएगी।औद्योगिक क्षेत्र, पिलखनी, अम्बाला रोड को जाने वाले एप्रोच मार्ग पर स्थायी अतिक्रमण की शिकायत पर लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिये गये कि संबंधित मार्ग का स्थलीय निरीक्षण करते हुए वस्तुस्थिति से अवगत करायें। इस अवसर पर एसपी सिटी व्योम बिंदल, डीसी डीआईसी वीके कौशल, आईआईए से प्रमोद सडाना, लघु उद्योग भारती से अनुपम गुप्ता, सीआईएस अध्यक्ष रविन्द्र मिगलानी, उद्यमीगण एवं संबंधित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि पर्व के मद्देनजर मंडलायुक्त पुलिस उपमहानिरीक्षक और जिला मजिस्ट्रेट ने बागेश्वर महादेव मंदिर का निरीक्षण किया

अधिकारियों ने मंदिर परिसर में की जा रही तैयारियों का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र)
सहारनपुर, महाशिवरात्रि पर्व के मद्देनजर मंडलायुक्त अटल कुमार राय,सपुलिस उपमहानिरीक्षक अजय कुमार साहनी और जिला मजिस्ट्रेट मनीष बंसल ने बागेश्वर महादेव मंदिर का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने पूजा-अर्चना करने के साथ ही मंदिर परिसर में की जा रही तैयारियों का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। इसके अतिरिक्त कानून एवं शांति व्यवस्था के मद्देनजर फ्लैग मार्च भी किया। इस अवसर पर उनके साथ पुलिस अधीक्षक नगर व्योम बिंदल, पुलिस अधीक्षक देहात सागर जैन सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कैलाशपुर वेटलैंड की सफाई एवं सौंदर्यकरण के लिए दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में हुई जिला पर्यावरण एवं गंगा समिति की बैठक

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उप्र)
सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देशों के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पर्यावरण, वृक्षारोपण और गंगा समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने वृक्षारोपण 2025 के लिए निर्धारित लक्ष्य के लिए सभी विभागों को शीघ्र भूमि चयन करने के साथ जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके साथ वृक्षारोपण के लिए भूमि चयन करते समय सभी विभागों को निर्देश दिए कि जल स्रोतों के निकट की भूमि को प्राथमिकता दी जाए। जनपद में विगत वर्ष हुए पौधरोपण की समीक्षा करते हुए जियो टैगिंग पूर्ण करने के निर्देश अगली बैठक से पहले उन सभी विभागों को दिए जिन्होंने अभी तक शत-प्रतिशत टैगिंग नहीं की। उन्होंने निर्देश दिए कि जनपद में नदियों के पुनर्जीवन हेतु ग्रीन इंडिया मिशन एवं अन्य योजनाओं के तहत यमुना नदी के किनारे किए गए कार्यों प्रकृति, क्षेत्र और स्थिति के बारे में जानकारी समस्त विभागों द्वारा उपलब्ध कराई जाएं ताकि डीपीआर क्रियान्वयन व योजना निर्माण में सहायता मिले। सुमित महाजन ने कैलाशपुर वेटलैंड की सफाई एवं सौंदर्यकरण के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जनपद में प्लास्टिक का एकत्र करने के लिए चलाए जा रहे अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के खुले मैदानों में पड़े वेस्ट प्लास्टिक को एकत्रित करने के निर्देश दिए। उन्होंने और अधिक वेस्ट प्लास्टिक कलेक्शन के लिए नगर निगम, निकाय, ब्लॉक और ग्राम पंचायतों को निर्देश दिए। इकठ्ठा प्लास्टिक का उपयोग करने के लिए सभी निकायों को उचित कार्यवाही करने के साथ एकत्रित प्लास्टिक की सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में पीडी डीआरडीए प्रणय कृष्ण, डीसी एनआरएलएम इंद्रजीत सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी आलोक शर्मा, एसडीओ संवेदना चौहान सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में सीएम डैश बोर्ड पर विकास कार्यों की बैठक संपन्न

राजस्व वसूली हेतु बनाएं बेहतर रणनीति, लाएं निरंतर प्रगति – मण्डलायुक्त अटल कुमार राय

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र)
सहारनपुर, मंडलायुक्त अटल कुमार राय की अध्यक्षता में सर्किट हाउस सभागार में सीएम डैश बोर्ड, कर करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक आहूत की गई। बैठक में मण्डलायुक्त अटल कुमार राय ने जल निगम को निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन के तहत तोड़ी गई सड़कों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से रेस्टोरेट किया जाए। उन्होंने खराब कार्यशैली वाली फर्म के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही हेतु शासन को पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सी, डी और ई रैंकिंग वाले विभागों को रैंकिंग में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मार्च माह में रैंकिंग सुधार में कोई कर कसर बाकी न रहे। रैंकिंग में सुधार न होने पर संबंधित विभागीय अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि मण्डल की रैंकिंग उच्चतर स्तर पर रहे इसके लिए सभी मण्डलीय एवं जनपद स्तरीय अधिकारी निरंतर प्रयास करें। प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अच्छी उपस्थिति वाले बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कम उपस्थिति वाले बच्चों के अभिभावकों से वार्ता की जाए। मंडलायुक्त अटल कुमार राय ने निर्देश दिए कि स्वच्छ भारत मिशन फेज 2 में अपेक्षित प्रगति के लिए ग्राम प्रधानों, पंचायत सचिवों एवं पंचायत सहायकों की जनपद स्तरीय कार्यशाला आयोजित कराई जाए। उन्होंने तीनों जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडल के सभी गांव में आरआरसी सेंटर बनाने एवं घर-घर कूड़ा उठाए जाने की दिशा में कार्य किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि फैमिली आई डी बनाने के कार्य में बेहतर कार्य योजना बनाते हुए प्रगति लाएं। इसके लिए ग्राम प्रधानों एवं राशन कोटेदारों का सहयोग लिए जाए। उन्होंने लघु सेतुओं एवं सड़क निर्माण के कार्य में तेजी लाते हुए इसी वित्तीय वर्ष में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। कर करेत्तर राजस्व टास्कफोर्स राजस्व कार्यों की समीक्षा, चकबन्दी कार्यों एवं वादों की प्रगति की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि जनपदों में राजस्व देयों की वसूली में तेजी लाई जाए। उन्होंने निर्देश दिये कि लक्ष्यों के अनुरूप वसूली सुनिश्चित करायी जाए। आबकारी विभाग को सीमावर्ती राज्यों से आने वाली अवैध शराब के चिन्हीकरण के दृष्टिगत प्वाईंटों को निर्धारित करने एवं प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि वाणिज्यकर विभाग मण्डल में सघन अभियान चलाकर सुनिश्चित करें कि कहीं पर भी टैक्स चोरी न हो। उन्होंने निर्देश दिये कि मण्डल में अवैध खनन पर अंकुश लगाने में प्रभावी कार्यवाही करें और राजस्व में बढोत्तरी करें तथा अवैध खनन के मूल स्त्रोत की जानकारी कर कार्यवाही करें। कृषि विपणन विभाग को वसूली में तेजी लाने के निर्देश उप निदेशक मंडी को दिए। नगर विकास विभाग को रजिस्टर्ड घरों से शत-प्रतिशत हाउस टैक्स और वाटर टैक्स वसूली करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत की कम पर वसूली पर निर्देश देते हुए कहा कि वसूली में तेजी लेकर लक्ष्य पूर्ण करें। सुनिश्चित किया जाए कि कहीं पर भी बिजली की चोरी न हो। राजस्व वादों को यथाशीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए। आई जी आर एस पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्धता के साथ निस्तारण किया जाए। उन्होंने चारागाह की जमीनों से अवैध कब्जे हटाने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल, जिलाधिकारी मुजफ्फरनगर उमेश मिश्रा, जिलाधिकारी शामली अरविंद कुमार चौहान, मुख्य विकास अधिकारी सहारनपुर सुमित राजेश महाजन, मुख्य विकास अधिकारी शामली विनय तिवारी, अपर आयुक्त प्रशासन रमेश यादव, अपर जिलाधिकारी प्रशासन सहारनपुर डॉ0 अर्चना द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सहारनपुर रजनीश कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी(वित्त एवं राजस्व)मुजफ्फरनगर गजेंद्र सिंह, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) शामली संतोष कुमार सिंह, संयुक्त विकास आयुक्त दुष्यंत कुमार सिंह, अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, जल निगम सहित संबंधित विभागों के मण्डल एवं जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत आष्टा में सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित

सीहोर

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने वर-वधुओं को दिया आर्शीवाद

सामूहिक विवाह सम्मेलन में 991 वर-वधु परिणय सूत्र में बंधे

सम्मेलन में 793 बेटियों का विवाह और 198 बेटियों का हुआ निकाह

सम्मेलन में हितग्राहियों को प्रदान किए गए 49 हजार रूपये के चेक

मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना के अन्तर्गत आष्टा में सामूहिक कन्या विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में 991 जोड़ विवाह सूत्र में बंधे, जिसमें 793 जोड़ों का विवाह तथा 198 जोड़ों को निकाह संपन्न हुआ। इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वर्चुअल शामिल होकर वर-वधुओं को आर्शीवाद दिया तथा उनके सुखद भविष्य की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सबका साथ सबका विकास की भावना के आधार पर समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए अनेकों योजनाएं चलाई जा रही हैं। कार्यक्रम में विधायक श्री गोपाल सिंह इंजिनियर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रचना सुरेंद्र मेवाड़ा, आष्टा जनपद अध्यक्ष श्रीमती दीक्षा सोनू गुणवान सहित कलेक्टर श्री बालागुरू के ने सभी नव दंपत्तियों को भावी जीवन की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विधायक श्री गोपाल सिंह इंजिनियर ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा गरीबों के कल्याण के लिए अनेकों जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है। गरीब परिवार की बेटियों का विवाह धूमधाम से हो सके इसके लिए सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह-निकाह योजना चलाई जा रही है। इस योजना ने गरीब माता-पिता को बेटी के विवाह की चिंता से मुक्त कर दिया है। सरकार की अनेकों ऐसी जनकल्याणकारी योजनाएं हैं, जिनका लाभ आमजन को मिल रहा है। इस अवसर पर उन्होंने हितग्राहियों को 49 हजार रूपये के चेक भी प्रदान किए। इस अवसर पर कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने नव दंपत्तियों भावी जीवन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आमजन के कल्याण के लिए चलाई जा रही हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाने के लिए पूरी गंभीरता के साथ मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन निरंतर कार्य करेगा। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष श्री नरेंश मेवाड़ा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री जीवन सिंह मंडलोई, पूर्व विधायक श्री रघुनाथ मालवीय, श्री रायसिंह मेवाड़ा, एसडीएम श्रीमती स्वाति मिश्रा, जनपद सीईओ श्री अमित व्यास सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

खाटू श्याम की भव्यभजन संध्या संपन्न बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु

खेतिया,,, सबसे बड़ा तेरा दरबार है, तू ही सबका पालनहार है, सजा दे या कर दे क्षमा सांवरे तू ही हमारी सरकार है। खेतिया शहर के श्री खाटू श्याम के भक्त विशाल परदेसी एवं उनके परिजनों द्वारा आयोजित की गई भव्य भजन संध्या में खेतिया शहरी नहीं वरन आसपास के श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में पहुंचे , पुरुषों के बराबरी में भी ही महिलाएं भी वहां कीर्तन का आनंद लेती दिखाई दी । आयोजित भजन संध्या में नागदा के सावन नागदा एवं नर्मदा पुरम की कुमारी पदमा साहू में भजन संध्या का समां बांधा आरंभ में पदमा साहू ने भक्ति भजन प्रस्तुत कर प्रारंभ किया वहीं चढ़ गया भगवा रंग और राम आएंगे जैसे भजनों पर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया । भजन गायक सावन नागदा ने सभी को देश के प्रमुख श्रद्धा केंद्र महाकालेश्वर, मां वैष्णो देवी का भ्रमण करते हुए खाटू श्याम के भजनों से सरोबार कर दिया सावन नागदा का यह खेतिया शहर में द्वितीय आयोजन है जिस पर श्रद्धालु अपने फरमाइश पर फरमाइश करते रहे वह सावन नागदा ने अपने मधुर स्वरों से भजन संध्या का रुख ही मोड़ दिया,तीन बाण,, तेरी मिट्टी में मिल जावा जैसे गीत गाकर श्रोताओं की दाद बटोरीआरम्भ से अंत तक श्रोता जमे ही रहे परदेसी परिवार खेतिया द्वारा परदेसी परिवार के नवनिर्मित श्याम निवास का निर्माण करने में प्रमुख भूमिका रखने वाले इंजीनियर व वस्तु ऊर्जा के प्रवर्तक सिद्धार्थ नाहर व भवन निर्माण से जुड़े अन्यका मंच पर सम्मान कियाभजन संध्या के संयोजन में श्यामभक्तो की ओर से कमलेश टाटिया का भी सम्मान किया खाटू श्याम बाबा की यह भजन संध्या देर रात्रि तक चलती रही खेतिया शहर के इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और देर रात तक शांतिपूर्ण रूप से कार्यक्रम चला रहा।पुलिस प्रशासन द्वारा व्यवस्था बनाये रखी

अयोध्या धाम की 1200 किलोमीटर पद यात्रा 34 दिन मे पुर्ण कर प्रभु श्रीराम को चांदी की चरण पादुकाअर्पित की

धार

सरदारपुर (लाबरिया) अयोध्या मे प्रभु श्रीराम मंदिर बनने के बाद पहली बार लाबरिया से पुजारी संतोष तुकारिया चंपलाल तुकारिया कान्हा पटेल द्वारा चांदी की चरण पादुका सर पर रखकर अयोध्या में प्रभु श्रीराम को अर्पित करने का संकल्प लें कर 21 जनवरी को पद यात्रा पारंभ की थी जो कि उज्जैन देवास शिहोर बागेश्वर धाम भीम कुड जटाशंकर चित्रकुट प्रयागराज कुभ स्नान करते हुए अयोध्या धाम पर23 फरवरी को 34 दिन में 1200 किलोमीटर की पद यात्रा पुर्णकर अयोध्या धाम पहुंचे तथा प्रभु श्रीराम मंदिर पहुचकर चरण पादुका चढाई गई घर वापसी आने पर ग्रामीणजन सभी सगे संबंधियों ने लाबरिया चौपाटी पर भव्य स्वागत किया गया फुल माला व साफा से सम्मान किया गया और बैंड बाजे ढोल डमाका के साथ गांव मे जुलुस निकाल गया।

बाग व्यापारी संजय भावसार के घर हुई लुट का खुलासा

बाग/धार- पुलिस उप महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह के निर्देशन में धार पुलिस द्वारा थाना बाग क्षेत्रांतर्गत नर्मदा पेट्रोल पम्प पर डकैती डालने की योजना बनाते हुए 06 सशस्त्र बदमाशो को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। जिनके व्दारा 07 दिन पूर्व बाग में व्यापारी के घर हुई डकैती, पीथमपुर में तुफान गाडी चोरी व थाना मनावर में कपास से भरी हुई आयसर चोरी की घटना घटित करना स्वीकार किया।धार पुलिस को नर्मदा पेट्रोल पम्प बाग पर डकैती की योजना बनाते 06 आरोपियों को गिरफ्तार करने में मिली महत्वपूर्ण सफलता।

पुछताछ में डकैती की योजना बनाने वाले 03 आरोपियों व्दारा ही अपने साथियों के साथ मिलकर सात दिन पूर्व बाग में व्यापारी के घर पर की थी डकैती।

-धार पुलिस को थाना बाग में व्यापारी के घर पर डकैती के दौरान लूटे गये 9 लाख रुपये नगदी व एक सोने का मंगलसूत्र जप्त करने में मिली महत्वपूर्ण सफलता।

धार पुलिस व्दारा आरोपियो के कब्जे से थाना सेक्टर 01 पीथमपुर से चोरी की गई तुफान गाड़ी को डकैती की योजना के दौरान जप्त करने में मिली महत्वपूर्ण सफलता

आरोपियों व्दारा थाना मनावर क्षेत्र से कपास से भरी आयसर वाहन को भी चोरी करना किया स्वीकार।

धार पुलिस को आरोपियों से 09 लाख रुपये नगदी, 01 सोने का मंगलसूत्र, 01 तुफान वाहन, दो मोटर सायकल, लोहे का फालिया, लोहे की टामी, लोहे का कटर कुल मनुका किमती 22,00000/- रुपये का जप्त करने में मिली महत्वपूर्ण सफलता।

डकैती की योजना में गिरफ्तार आरोपी संजय निकला थाना सरदारपुर के लूट के अपराध का फरार उद्घोषित 5000/- रुपये का ईनामी।बाग क्षेत्रान्तर्गत व्यापारी संजय भावसार के घर पर हुई डकैती की घटना को गंभीरता से लेते घटना स्थल पहुँचकर घटना स्थल के आस-पास के लोगो, व्यापारियों व पीडित से स्वयं प्रत्य बातचीत की। साथ ही सूनसान रोड़ पर राहगीरो के साथ मारपीट कर लूट, डकैती करने वाले चिन्हित कर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी करने हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धार डॉ बाकलवार के निर्देशन में एस.डी.ओ.पी. कुक्षी सुनील गुप्ता के मार्गदर्शन में थाना प्र निरीक्षक कैलाश चौहान व सायबर शाखा प्रभारी उनि प्रशांत गुंजाल को उचित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया था।इसी तारतम्य में दिनांक 24.02.2025 को थाना प्रभारी बाग निरीक्षक कैलाश चौहान को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि थाना बाग क्षेत्रांतर्गत टाण्डा रोड पर नर्मदा पेट्रोल पंप के पास बदमाश हथियार लेकर डकैती की योजना बना रहे है।

थाना प्रभारी बाग द्वारा मुखबिर की सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया, जिस पर. से एस.डी.ओ.पी. कुक्षी सुनिल गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बाग निरीक्षक कैलाश चौहान के नेतृत्व में 02 पुलिस टीमों का गठन किया गया। थाना बाग पुलिस टीम व्दारा कार्यवाही करते हुए नर्मदा पेट्रोप पम्प के पीछे के पास घेराबंदी करते 06 सशस्त्र बदमाशो कालु, जितेन्द्र, पारम, संजय, विजय, समीर की घेराबंदी कर पकड़ा तथा 03 बदमाश छितु उर्फ बदरसिंह, रमेश, बिनु अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गये। पकड़े गये आरोपियों ने प्रारंभिक पूछतांछ में वर्मा पेट्रोल पम्प पर रात्रि में डकैती डालने के लिए, एकत्रित होने की बात कबूल की। टीम द्वारा आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर थाना बाग में अपराध क्रमांक 44/25 धारा 310(4),310(5) बी एन एस व 25 (2) आर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

गिरफ्तार शुदा आरोपियों से विस्तृत पुछताछ की गई जिनके व्दारा थाना बाग, धान सेक्टर 01 पीथमपुर एवं थाना मनावर की निम्न घटनाओं को घटित करना स्वीकार किया।

। आरोपी कालु, जितेन्द्र, एवं पारम व्दारा अपने फरार साथियों छीतु, रमेश व विजु के साथ मिलक संजय पिता धनराज भावसार उम्र 54 साल निवासी बाग के घर में घुसकर उनकी माँ की गर्दन दबाकर फालिया अड़ाकर उनके गले से सोने का मंगल सुत्र जिसमें काले मोती सहित आठ सोने मोती तथा गोदरेज में रखे नौ लाख रुपये नगदी, कान की सर वाली शुमकी एक जोड सोने की, चुद्धियाँ सोने की, एक छोटी अंगुठी सोने की लूट कर पिछे लेट बाथ के गेट तरफ से भागना स्वीकार किया। टीम व्दारा आरोपियों से घटना में लूटे गये 09 लाख रुपये नगदी एवं एक सोने मंगल सूत्र जप्त किया गया।

2. आरोपियों व्दारा दिनांक 27.01.2025 को थाना मनावर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम टोंकी में फरियादी नितेश पिता नरेन्द्र राठौर उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम टोंकी के घर के बाहर कपास से भरी हुई आयसर को चोरी करना स्वीकार किया गया। फरियादी नितेश की रिपोर्ट पर थाना मनावर में अपराध

60/25 धारा 303(2) बीएनएस का पंजीबद्ध किया गया है।

1 आरोपियों व्दारा दिनांक 06.02.2025 थाना सेक्टर 01 पीथमपुर क्षेत्रान्तर्गत फरियादी शेखम शोभाराम सोलंकी उम्र 47 वर्ष निवासी साला थाना धामनोद के तुफान वाहन को बजरंग में पीछे मंतारा कोलनी से चोरी करना स्वीकार किया गया। फरियादी शेखर की रिपोर्ट पर थाना सेक्टर 01 पीथमपुर में अपराध क्रमांक 72/2025 धारा 303(2) बीएनएस का पंजीबद्ध किया गया है।

4. गिरफ्तार आरोपी संजय पिता हिन्दु मेहडा निवासी नाहवेल आमलियापानी थाना बाग जिला धार का थाना सरदारपुर के अपराध क्रमांक 335/2023 धारा 392 भादवि का फरार उद्घोषित आरोपी हैं जिस पर पुलिस अधीक्षक धार व्दारा आरोपी संजय की गिरफ्तारी पर 5000/-रूपये की उद्घोषणा की गई थी।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम 1.समीर पिता बहादुर मंडलोई जाति भील उम्र 20 साल निवासी ग्राम पिपरी आमलियापानी फालिया जिला धार

2.कालु पिता भरमा संगर जाति भील उम्र 20 वर्ष निवास गेट्टा थाना। टाण्डा जिला धार

3.जितेन्द्र पिता भुवानसिंह अनारे जाति भील उस 19 वर्ष निवासी घोर थाना टाण्डा जिला धार

4.पारम पिता हरिसिंह मिनावा जाति भील उम्र 30 वर्ष निवासी काकड़ कुआ थाना टाण्डा जिला धार

5.संजय पिता हिन्दु मेहडा जाति भील उम्र 19 वर्ष निवासी नाहवेव आमलियापानी थाना बाग जिला धार

6.विजय पिता जामसिंह जमरा जाति भीलाला उम्र 19 वर्ष निवासी पिप आमलियापानी जिला धार

फरार आरोपियो के नाम 1. छितु उर्फ बदरसिंह पिता भावसिंह निवासी काली देवी थाना टांडा जिला

2.रमेश पिता शंकर निवासी गुडा थाना टांडा जिला धार

3.बिजु पिता मुकामसिंह निवासी बडकच्छ थाना टाण्डा जिला धार1

आरोपी कानू, जितेन्द्र, पारम की निशादेही से 09 लाख रुपये नगदी

2एक सोने का मंगल सूत्र

3 एक तूफ़ान गाड़ी

4 दो मोटर सायकल बिना नम्बर की

5 डकैती की योजना में फालिया, कटर, बॉस के लट्ठ

कुल मशरूका कीमत

22,00000 रुपये

सराहनीय कार्य उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी बाग निरीक्षक कैलाश चौहान, उनि दिलीप खाण्डे, सउनि रामसिंह गौर, सउनि कमलेश राठीडिया, सउनि राजेश चौहान, सउनि दशरथ चौहान प्र.आर भावसिह रावत, प्र.आर. लोकेश शुक्ला, प्र.आर. सखाराम गोखले, कार्य. प्रआर. थावरसिंह लिंगवाल, प्र.आर. राजु कलेश, प्र.आर. कैलाश गेहलोत, प्र.आर. रेलमसिंह भिन्डे, प्र.आर.06 गजेन्द्र, प्र.आर. कमलेश चौहान, आर, शहादर चौगड, आर. राजु, आर. सीताराम, आर. लालसिंह, आर. दुर्गेश, आर. कैलाश, आर. भुपेन्द्र, आर. विक्रम, आर. गजराज, आर. कलमसिह, आर. राहुल, आर. मुकेश, आर. गणपत, तथा सायबर सेल टीम प्रभारी उनि प्रशान्त गुंजाल, सउनि रामसिंह गौर, प्र.आर. विजय भाटी, प्रआर, राजेश सिंह चौहान, प्रआर. सर्वेश, प्रआर. मुकेश डावर, आर. भानुप्रतापसिंह, आर. प्रशान्त सिंह चौहान, आर. शुभम, आर. तरुण का विशेष योगदान रहा है।

संत श्री शिरोमणि गाडगे महाराज जयंती मनाई गई

उज्जैन खाचरोद समरथ सेन मडावदा में रजक समाज द्वारा इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष श्री दौलतराम भंवराषा के द्वारा किया गया इस मौके पर समाज के सभी सदस्य उपस्थित अनोखीलाल भंवराषा दिलीप भंवराषा जितेन भंवराषा फकीरचन्द भवराषा **भेरुलाल भंवराषा कमल भंवराषा बद्रीलाल मेहता भरतलाल मंडवार** गणेश भवराषा हिरालाल भंवराषा समाज के द्वार गाडगे बाबा की जयंती धूमधाम से मनाई गई समाज के सभी सदस्य उपस्थित थे !

जमीन के उचित मुआवजे को लेकर

किसान मिले विधायक से कलेक्टर को भी दिया आवेदन

उज्जैन
वर्तमान में उज्जैन जावरा के बीच में ग्रीन फील्ड फोरलेन रोड का निर्माण प्रस्तावित है इस निर्माण के दौरान कई किसानों की जमीन इस रोड के निर्माण में चली जाएगी जिसको लेकर किसानों में चिंताएं हैं और हो भी क्यों नहीं किसानों को एक पत्र कमाई का साधन और उनकी आय का स्रोत जमीन ही है और यदि यह जमीन ही किसानों से छीन जाएगी तो उनकी आय का स्रोत ही समाप्त हो जाएगा और वह बेरोजगार हो जाएंगे ! जिन-जिन किसानों की जमीन इस रोड निर्माण के दौरान रोड में जाएगी उनमें से गांव मीण के किसान क्षेत्र के विधायक डॉ. तेजबहादुर सिंह चौहान के पास पहुंचे, जहा विधायक चौहान ने कार्यालय पर किसानों की समस्या सुनी और किसानों को उचित मुआवजा मिले इसकी बात कही ! विधायक ने किसानों को बताया कि मैंने मध्य प्रदेश सरकार को पहले से ही पत्र लिखकर किसानों को उचित मुआवजा दिए जाने की मांग की है ! इसके बाद किसान उज्जैन पहुंचे जहां कलेक्टर को भी इस उचित मुआवजा मिले इस संबंध में एक आवेदन दिया ! इसके पूर्व में भी कई गांव कें किसानो के द्वारा उचित मुआवजे की मांग को लेकर आवेदन दिए थे !

विधायक पहले से ही प्रयासरत - उज्जैन जावरा फोर लाइन रोड के अंतर्गत किसानो की जो जमीन जा रही है उनको उचित मुआवजा मिले इसके लिए विधायक चौहान पहले से ही सक्रिय ओर प्रयासरत है और किसानों के उचित मुहावजे की मांग को लेकर विधायक के द्वारा मध्य प्रदेश सरकार के मुखिया को पत्र लिखकर उचित मुआवजे की मांग की हुई है, वही जब किस विधायक के पास पहुंचे तो विधायक चौहान ने तुरंत कलेक्टर से चर्चा करके और बोला कि किसानों को सही मुआवजा मिले इसके प्रयास हमें करना है और ज्यादा से ज्यादा मुआवजा दिलवाना है !

15 से 20 लाख जमीन के भाव वर्तमान में जमीन के भाव अच्छे हैं किसानों ने बताया कि वर्तमान में 15 लाख रुपए से लगाकर 20 लाख रुपए बीघे के मन से एक बीघे जमीन बेचने खरीदने के भाव चल रहे हैं और ऐसे में किसानों का कहना है कि यदि इससे कम मुआवजा मिलता है तो उनकी आजीविका का संसाधन समाप्त हो जाएगा ऐसे में किसानों का कहना है कि उन्हें कम से कम बाजार मूल्य के भाव से मुआवजा दिया जाए ना की शासन की रजिस्ट्री की गाइडलाइन की योजना के अनुसार क्योंकि देखा जाता है शासकीय मांन से रजिस्ट्री कम पैसों में होती है ऐसे में किसानों को बाजार भाव से जमीन का मुआवजा मिलना ही चाहिए !

आजीविका जाएगी बेरोजगार भी होंगे - रोड के निर्माण के दौरान जिन किसानों की जमीन इसमें जाएगी उन किसानों की एक तरह से आजीविका के संसाधन उनसे छिन जाएगा साथ ही में बेरोजगार हो जाएंगे ऐसे में किसानों को यदि इसका उचित दाम मिल जाता है तो वह इसके बदले में अन्य स्थानों पर जमीन खरीद सकते हैं या अपनी आजीविका के लिए और कोई संसाधन बिजनेस इत्यादि में इस पेज का इन्वेस्ट कर सकते हैं किंतु यदि नाम मात्र का मुआवजा मिलता है तो फिर यह किसानों के साथ अन्याय ही होगा !

लाखों श्रद्धालु लगाएंगे आज नर्मदा में आस्था की डुबकी

शिवालयों में शिव भक्तों का लगेगा हुजूम

खरगोन
कसरावद - शिवरात्रि को लेकर तैयारियां पूरी हो गई है । क्षेत्र नावड़ातोड़ी, शालिवाहन, माकड़खेड़ा ,मर्कटी संगम, ढालखेड़ा खल बुजुर्ग, बोथु, नर्मदा घाटों पर श्रद्धालु लगाएंगे आस्था की डुबकी। जो एक दिन पहले ही नावड़ातोड़ी में शाम को श्रद्धालुओं का पहुचना शुरू हो गया। प्रसिद्ध शिवालयों में शिव भक्त उमड़ेंगे। भगवान का विशेष पूजन कर सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना करेंगे। । कसरावद क्षेत्र के नर्मदा तट स्थित शिवालयों को सजाया गया है। प्राचीन मंदिर आस्था के केंद्र रहेंगे। शिवालयों के साथ नर्मदा तट के आश्रमों में उत्सवी वातावरण रहेगा । ग्राम नावड़ातोड़ी घाट पर एक दिवसीय मेला लगेगा। मंगलवार को ही व्यापारीयों ने अपनी दुकाने सजा ली है। शिवालयों में दिनभर पूजा अर्चना का दौर चलेगा। नर्मदा घाटो एवं मार्गो पर श्रद्धालुओं द्वारा खिचड़ी एवं शकरकंद की प्रसादी वितरित की जाएगी। शालीवाहन मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की जाएगी। अभिषेक एवं पूजा का क्रम चलेगा। इस पर्व को लेकर प्रशासन अलर्ट है।

कक्षा 12वीं की हिन्दी विषय की परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से सम्पादित हुई

सीधी

कुल 65 केन्द्रों में परीक्षा आयोजित हुई कलेक्टर ने उत्कृष्ट विद्यालय सीधी के परीक्षा का किया निरीक्षण

माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा हायर सेकेण्डरी सर्टिफिकेट परीक्षा का आयोजन 25 फरवरी से 25 मार्च 2025 तक किया जा रहा है। मंगलवार को हायर सेकेण्डरी कक्षा 12वीं की हिन्दी विषय की परीक्षा जिले के 65 परीक्षा केन्द्रो में आयोजित हुई जिसमें से 12451 दर्ज छात्रों में से 12276 विद्यार्थी परीक्षा में उपस्थित रहे, 175 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल नही हुये। परीक्षा में कानून व्यवस्था एवं परीक्षा की पवित्रता बनाये रखने एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिये कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा 16 पैनल गठित किये गये है। कलेक्टर द्वारा जिला उत्कृष्ट विद्यालय सीधी के परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया गया। परीक्षा व्यवस्था शांति पूर्वक एवं मंडल के निर्देशानुसार संचालित पायी गई। एस.डी.एम. मझौली श्री आर.पी. त्रिपाठी द्वारा परीक्षा केन्द्र मझौली, एस.डी.एम. चुरहट श्री शैलेश द्विवेदी द्वारा परीक्षा केन्द्र बालक चुरहट एवं कंधवार, एस.डी.एम. कुसमी प्रिया पाठक द्वारा भदौरा एवं कमछ परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया गया। तहसीलदार सीधी जान्हवी शुक्ला द्वारा सीधी शहर के परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ पी.एल. मिश्रा द्वारा परीक्षा केन्द्र कमर्जी, हटवाखास, सुडवार का निरीक्षण कर केन्द्राध्यक्ष एवं सहायक केन्द्राध्यक्ष को बोर्ड के निर्देशानुसार परीक्षा संचालित कराये जाने के निर्देश दिये गये। कंट्रोल रूम प्राभारी राम कृष्ण तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके एवं व्यवस्थित रूप से संचालित है किसी भी परीक्षा केन्द्र में बाहरी दबाव नही है।

जनसुनवाई में 108 में से 89 आवेदन निराकृत

विदिशा कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के द्वारा हरेक मंगलवार को जनसुनवाई कार्यक्रम के माध्यम से आवेदको के आवेदनो का निराकरण मौके पर किया जा रहा है। जनसुनवाई कार्यक्रम में आज मंगलवार को 108 आवेदको के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किए गए थे जिसमें से मौके पर 89 आवेदनो का निराकरण किया गया है। कलेक्ट्रेट के भूतल स्थित जनसुनवाई कक्ष के समीप आधार सेंटर द्वारा नवीनीकरण, अपडेशन और स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपचार केम्प के कार्यों का भी संपादन किया गया है। जनसुनवाई में पहुंचने वाले आवेदकों व उनके साथियों की सुविधा हेतु प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई कार्यक्रम के साथ-साथ आधार केंद्र और स्वास्थ्य विभाग द्वारा कैंप भी लगाया जा रहा है। जहां आवेदकों द्वारा अपने आधार से संबंधित समस्याओं का निराकरण तथा नवीन आधार कार्ड बनवाए जा रहे हैं वहीं स्वास्थ्य विभाग के कैंप में पहुंचकर शुगर और बीपी की निशुल्क जांच कर दवाएं भी वितरित की गई हैं। आज सम्पन्न हुई जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती मोहिनी शर्मा, श्रीमती शशि मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर श्री संतोष बिटौलिया के अलावा विभिन्न विभागो, के जिलाधिकारी मौजूद रहे और वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से अन्य अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों एवं खण्ड स्तरीय अधिकारी जुड़े रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के दूसरे चरण का सर्वे, पात्र परिवार 31 मार्च तक जुड़वा सकते हैं नाम

आवास प्लस 2.0 ऐप से होगा सर्वे, हितग्राही स्वयं भी कर सकते हैं आवेदन

खरगोन प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के दूसरे चरण का सर्वे प्रारंभ हो गया है। पात्र परिवार 31 मार्च तक नाम जुड़वा सकते है। आवास प्लस 2.0 ऐप से सर्वे किया जा रहा है। इसमें हितग्राही स्वयं भी आवेदन कर सकते हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के द्वितीय चरण के लिए सर्वे प्रारंभ हो गया है। इसमें पात्र परिवारों के नाम 31 मार्च तक स्थाई प्रतीक्षा सूची में जोड़ने की कार्यवाही की जा रही है। योजना अंतर्गत केन्द्रीय मंत्री-मण्डल ने योजना को आगामी पांच वर्ष के लिये वित्तीय वर्ष 2024-25 से 2028-29 तक की मंजूरी दी है। इस संबंध ने ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार ने आवास प्लस की सूची को अद्यतन करने के लिए आवास प्लस सर्वे 2024 प्रारंभ किया है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का सर्वे जिले में ग्राम पंचायत में नियुक्त किये गये सर्वेयर सचिव, रोजगार सहायक द्वारा किया जायेगा। सर्वे कार्य आवास प्लस एप-2024 से किया जाएगा। इसमें हितग्राही स्वयं के मोबाइल से भी आवेदन कर सकेंगे। इसके लिए मोबाइल एप्लीकेशन आवास प्लस 2.0 ग्रामीण विकास मंत्रालय एन.आई.सी द्वारा निर्मित किया गया है। इस ऐप की लिंक आवास सॉफ्ट पोर्टल https://pmayg.nic.in/infoapp.htm पर भी उपलब्ध है। सर्वे के लिए समस्त जिले, जनपद एवं ग्राम पंचायत स्तर के अधिकारियों एवं नामांकित सर्वेयर को प्रशिक्षण गया है। सर्वे 31 मार्च 2025 तक पूर्ण कर लिया जायेगा। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा एक अप्रैल 2016 से प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) प्रारंभ की गई। जिसके अंतर्गत सभी पात्र बेघर परिवारों और कच्चे तथा जीर्ण-शीर्ण मकानों में रह रहे परिवारों को बुनियादी सुविधा युक्त पक्का आवास उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

इंदौर जिले में आगामी सभी त्यौहार एवं पर्व आपसी सद्भाव, एकता के साथ शांतिपूर्ण रूप से मनाये जाएंगे- इंदौर की गौरवशाली परम्परा को कायम रखा जायेगा.

शांति समिति की बैठक सम्पन्न.

इन्दौर इंदौर जिले में आगामी महीनों में आने वाले सभी धर्मों के त्यौहार एवं पर्व आपसी सद्भाव, एकता एवं भाईचारे के साथ मिलजुल कर मनाये जायेंगे। इंदौर की गौरवशाली गंगा-जमुनी परंपरा को कायम रखा जाएगा। त्यौ हार एवं पर्व के दौरान शांति एवं कानून व्यववस्थार हर हाल में कायम रखी जाएगी। यह निर्णय आज यहां कलेक्टरर श्री आशीष सिंह की अध्यवक्षता मंग सम्पमन्न हुई शांति समिति की बैठक में लिये गए। बैठक में शांति समिति के पुर्नगठन का निर्णय भी लिया गया। तय किया गया कि जिला और थाना स्तेर की शांति समितियों को पुर्नगठित कर नये सक्रिय सदस्यय समिति से जोड़े जायेंगे।

बैठक में आगामी महीनों में आने वाले त्यौहारों एवं पर्वों के दौरान शांति एवं कानून व्यकवस्थान बनाये रखने तथा प्रशासनिक व्यावस्था ओं पर चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि त्यौ हारों के दौरान सुरक्षा के पुख्ताा इंतजाम रहेंगे। शांति एवं कानून व्य वस्थाम बिगाड़ने वालों के विरूद्ध सख्तय कार्रवाई की जायेगी। किसी को भी छोड़ा नहीं जायेगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी त्यौहार एवं पर्व आपसी सद्भाव, एकता के साथ शांतिपूर्ण रूप से मनाये जाएंगे और हर हाल में इंदौर की गौरवशाली परम्परा को कायम रखा जायेगा।

बैठक में अतिरिक्तग पुलिस कमिश्नार श्री अमित सिंह, डीसीपी डॉ. ऋषिकेश, अपर कलेक्टर श्री रोशन राय सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी और शांति समिति के सदस्यगण मौजूद थे। बैठक में त्यौहारों के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में त्यौहारों के दौरान विद्युत आपूर्ति, मार्गों की मरम्मत, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल प्रबंध तथा सतत विद्युत आपूर्ति बनाये रखने के संबंध में चर्चा हुई। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों से कहा कि वे ऐसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें जिससे कि किसी को परेशानी नहीं हो और त्यौहार आपसी सद्भाव के साथ शांतिपूर्ण रूप से मना सके। मार्गों की मरम्मत पर विशेष ध्यान दें। विद्युत आपूर्ति सतत बनाये रखने के लिये समुचित व्यसवस्थाक की जाये। बैठक में श्री सिंह ने कहा कि 14 मार्च को धुलेन्डीख और 19 मार्च को रंग पंचमी पर आमजन की सुविधा के लिए विशेष पेयजल आपूर्ति की जाये। शहर में जहां-जहां सड़क निर्माण कार्य किया जा रहा है अथवा सीवरेज कार्य हेतु सडक को खोदा गया है वहां पेचवर्क कर रास्ता सही किया जाये। रमजान माह के दौरान पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करायें। होली को देखते हुये वन मण्डलाधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि हरे वृक्षों की कटाई न हो। इस हेतु वे नगर निगम क्षेत्र में तथा शहर के नजदीक वाले ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ पर शासकीय वन सम्पदा रखी रहती है, उसकी सुरक्षा हेतु आवश्यक कर्मचारियों की ड्युटि लगायेंगे। वन विभाग विभिन्न काउन्टरों के माध्यम से हर्बल कलरों का विक्रय करें, जिससे आम जन को एक ओर अच्छे कलर उपलब्ध हो सकेंगे वहीं दूसरी ओर शरीर को होने वाले नुकसानों से भी बचा जा सकेगा। इस हेतु हर क्षेत्र में प्रमुख स्थानों जैसे छावनी चौराहा, मालवा मिल चौराहा, जिंसी चौराहा, नवलखा चौराहा आदि पर काउन्टर खोले जाये या किसी दुकान के माध्यम से हर्बल कलरों का विक्रय कराया जायें।

अतिरिक्तद पुलिस कमिश्नेर श्री अमित सिंह ने कहा कि आगामी त्यौहारों एवं पर्वों के दौरान शांति एवं कानून व्यमवस्था बनाये रखने के लिये सुरक्षा के माकूल इंतजाम रहेंगे। शांति भंग करने वालों के विरूद्ध सख्ते कार्रवाई की जायेगी। रमजान माह एवं आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत पुलिस गश्त एवं पुलिस बल बढाई जाना सुनिश्चित किया जायेगा। थाना स्तर भी शांति समिति की बैठक का आयोजन कर छोटी-छोटी समस्याओं का समाधान किया जायेगा। सभी कार्यपालिक दण्डाधिकारी अपने-अपने थाना क्षेत्रों में सम्बन्धित थाना प्रभारी के साथ भ्रमण करेंगे। शराब पीकर या लापरवाही से तेजी से दुपहिया वाहन, चार पहिया वाहन आदि चलते हुए पाये जाने पर यथोचित कार्यवाही की जायेगी। पुलिस विभाग व्दारा शांति समिति के सदस्यों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य किया जा रहा है। सभी संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस का अतिरिक्त बल तैनात रहेगा व संबंधित क्षेत्र के पुलिस अधिकारी भी पेट्रोलिंग करते रहेंगे।

अज्ञात वाहन से दुर्घटना में मृत्यु होने पर

आश्रित को मिलेगी 2 लाख रुपए की सहायता राशि

खरगोन जिले में विभिन्न कारणों से बड़ी संख्या में सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। इन दुर्घटनाओं में कई व्यक्ति अपनी जान गवां देते हैं। गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों का भी जीवन कठिन हो जाता है। अब तक अज्ञात वाहन से दुर्घटना होने पर मृतक के आश्रितों को सोलेशियम फण्ड से 25 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती थी। इसके स्थान पर हिट एण्ड रन मोटरयान दुर्घटना पीड़ित प्रतिकर योजना 2022 लागू की गई है। इस योजना में अज्ञात वाहन से दुर्घटना में मौत होने पर मृतक के आश्रितों को 2 लाख रुपए की सहायता राशि दी जाएगी। गंभीर रूप से घायल होने पर 50 हजार रुपए की सहायता राशि का प्रावधान है। अज्ञात वाहन से दुर्घटना होने पर पीड़ित व्यक्ति को तहसीलदार अथवा एसडीएम को निर्धारित प्रपत्र में सहायता राशि के लिए आवेदन प्रस्तुत करना होगा। आवेदन पत्र के साथ दावाकर्ता के बैंक खाते की छायाप्रति, अस्पताल में उपचार कराने के बिल, घायल अथवा मृतक की पहचान तथा पता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करना आवश्यक है। इसके साथ-साथ पुलिस में दर्ज एफआईआर की प्रति, दावा करने वाले की पहचान सुनिश्चित करने के लिए प्रमाण पत्र, मौत की स्थिति में पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं मृत्यु प्रमाण पत्र एवं गंभीर चोट होने पर एमएलसी रिपोर्ट देना आवश्यक होगा। इसका आवेदन करने पर संबंधित जाँच दावा अधिकारी तहसीलदार अथवा एसडीएम 30 दिवस में अपनी जाँच रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। कलेक्टर इस रिपोर्ट पर 15 दिवस में आवश्यक कार्यवाही कर पीड़ित को सहायता राशि का भुगतान कराएंगे तथा परिवहन आयुक्त को रिपोर्ट प्रेषित करेंगे।

अगला कुंभ मेला कहां और कब होगा? इस राज्य की सरकार अभी से तैयारी में जुटी

नेशनल डेस्क. 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा के दिन प्रयागराज में महाकुंभ मेला शुरू हुआ था और आज महाशिवरात्रि के दिन इस महाकुंभ का समापन हो रहा है। लाखों लोग आज संगम में पवित्र डुबकी लगा रहे हैं। इस दौरान यह सवाल उठ रहा है कि अगला कुंभ मेला कब और कहां होगा?

अगला कुंभ मेला - हरिद्वार में 2027 में होगा अर्धकुंभ

प्रयागराज के महाकुंभ मेला के समापन के बाद अब अगले कुंभ मेले का आयोजन हरिद्वार में होगा, और यह मेला 2027 में आयोजित किया जाएगा। इसे अर्धकुंभ 2027 के रूप में जाना जाएगा। हरिद्वार में गंगा के तट पर आयोजित होने वाले इस मेले के लिए उत्तराखंड सरकार ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। सरकार के आदेश के बाद, हरिद्वार के सरकारी अधिकारियों ने इस मेला की तैयारी के संबंध में बैठकें भी आयोजित की हैं।

कुंभ मेले के लिए ट्रैफिक प्लान

उत्तराखंड सरकार ने अर्धकुंभ 2027 की तैयारी के संबंध में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में गढ़वाल के आईजी राजीव स्वरूप ने कहा कि अर्धकुंभ मेला 2027 की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। बैठक में यह चर्चा की गई कि 2027 में होने वाले कुंभ मेले के लिए ट्रैफिक प्लान क्या होगा, पार्किंग व्यवस्था कैसी होगी, और भीड़ को किस तरह से नियंत्रित किया जाएगा। इस दौरान इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरतों पर भी विचार किया गया। आईजी ने बताया कि सभी विभाग इस मेले की तैयारी में एकजुट होकर काम करेंगे और आगे की रूपरेखा तैयार की जा चुकी है।

सीएम के निर्देश - कुंभ मेला होगा भव्य, दिव्य और सुरक्षित

अर्धकुंभ 2027 के आयोजन को लेकर गढ़वाल के कमिश्नर विनय शंकर पांडे ने कहा कि मुख्यमंत्री ने साफ निर्देश दिए हैं कि 2027 में होने वाला मेला कुंभ के नाम से ही आयोजित किया जाएगा, और यह मेला भव्य, दिव्य और सुरक्षित होगा। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्हें सभी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हों। इस संबंध में सरकार ने बैठक में कई महत्वपूर्ण सुझावों पर चर्चा की है।

अर्धकुंभ 2027 के लिए विशेष व्यवस्था

प्रशासन की योजना में ट्रैफिक प्रबंधन, पार्किंग, स्वास्थ्य सेवाओं, सुरक्षा, सफाई, और श्रद्धालुओं के लिए आवास की व्यवस्था जैसी कई महत्वपूर्ण व्यवस्थाएं शामिल हैं। इस मेले में लाखों लोग शामिल होते हैं, और ऐसे में प्रशासन को भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बेहद सतर्क रहना पड़ता है। सरकार ने इसके लिए अधिकारियों से प्रस्ताव मांगे हैं और अगले कुछ वर्षों में सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

इस दौरान यह भी कहा गया कि जल्द ही मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एक उच स्तरीय बैठक होगी, जिसमें अर्धकुंभ मेला 2027 की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा। बैठक में इस आयोजन के लिए विशेष योजनाओं और व्यवस्थाओं पर विचार किया जाएगा। कुल मिलाकर, अर्धकुंभ 2027 का आयोजन हरिद्वार में एक भव्य और दिव्य रूप में होगा, और श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होने दी जाएगी। उत्तराखंड सरकार पहले से ही इस मेला के लिए व्यवस्थाएं तैयार करने में जुटी हुई है।

पंजाबी युवक सबकुछ लुटाकर गया अमेरिका

डिपोर्ट होकर लौटा तो सुनाई सफर की भयावह दास्तां- रास्ते में लाशें व हड्डियां...

इंटरनेशल डेस्क: अमेरिका से डिपोर्ट भारतीय नागरिकों में जुगराज सिंह नामक युवक भी शामिल है। जुगराज पंजाब के धारीवाल के गांव चौधरपुर का निवासी है और उसने अपने जीवन का सबसे बड़ा सपना अमेरिका में एक बेहतर भविष्य बनाने का देखा था। इस यात्रा ने उसे न केवल आर्थिक रूप से परेशान किया, बल्कि मानसिक और शारीरिक कष्ट भी दिए, जिनका वह कभी सोच भी नहीं सकता था। जुगराज सिंह ने बताया कि उसने अमेरिका जाने के लिए अपने घर की ज़मीन बेच दी थी और कर्ज लेकर कुल 40 लाख रुपये खर्च किए थे। यह रकम उसने एजेंट के कहने पर जुटाई थी, जिसने उसे भरोसा दिलाया था कि वह उसे कानूनी तरीके से अमेरिका भेजेगा।

जुगराज ने अपनी यात्रा शुरू की 28 जुलाई को, लेकिन जो रास्ता उसने चुना, वह उसे बिल्कुल नहीं पता था कि वह किस मुश्किलों में फंसने वाला था। एजेंट के द्वारा उसे कानूनी तरीके से भेजे जाने का वादा किया गया था, लेकिन असलियत में जुगराज को अवैध तरीके से डंकी के रास्ते अमेरिका भेजा गया। डंकी एक अवैध रास्ता है, जो मुख्य रूप से मध्य और दक्षिणी अमेरिका से होकर गुजरता है, और इसमें कई खतरनाक और जानलेवा रास्तों का सामना करना पड़ता है। जुगराज ने अपनी यात्रा के दौरान पहले सूरिनाम पहुंचा, जहां उसे दस दिन तक रोका गया। वहाँ के हालात भी काफी भयंकर थे, और जुगराज को वहां विभिन्न प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इस समय के दौरान, उसे शरणार्थियों के साथ मिलकर रहना पड़ा, जहां खाने-पीने की चीज़ों की भारी कमी थी और मानसिक तनाव काफी बढ़ चुका था।

जुगराज ने बताया कि यात्रा के दौरान उन्हें रास्ते में लाशों और हड्डियों के ढेर मिले। यह दृश्य अत्यंत डरावना था और जुगराज के मन में सवाल उठने लगे कि क्या वह सही रास्ता चुन रहे थे। शारीरिक कष्टों के साथ-साथ, उन्हें मानसिक रूप से भी काफी दबाव महसूस हुआ, क्योंकि रास्ते में खाने के लिए सिर्फ फल और पानी था, और यह जीवन बचाने के लिए काफी कठिन था। जब जुगराज आखिरकार अमेरिका पहुंचा, तो वहां उसकी उम्मीदें टूटने लगीं। उसे कई अन्य भारतीयों के साथ एक अनजाने केंद्र में भेज दिया गया, जहां उसे शरणार्थी की तरह रखा गया। वह वहां अपनी स्थिति के बारे में शिकायत नहीं कर सकता था और उसे वहां से वापस लौटने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

अंत में, जुगराज और उसके साथी प्रवासियों को पनामा भेजा गया, जहां एक संस्था ने उनकी मदद की और उन्हें भारत वापस भेज दिया। डिपोर्ट होने के बाद, जुगराज ने महसूस किया कि उसने जिस ख्वाब को साकार करने के लिए इतनी बड़ी रकम खर्च की थी, वह ख्वाब अब चकनाचूर हो चुका था। जुगराज का कहना है कि उसकी यात्रा केवल उसकी ही नहीं, बल्कि और भी कई लोगों की दुखद और दर्दनाक यात्रा बन चुकी थी। जुगराज ने अपनी यात्रा का अनुभव साझा करते हुए बताया कि यह केवल एक व्यक्तिगत यात्रा नहीं थी, बल्कि यह उस वास्तविकता का प्रतीक है, जिससे लाखों लोग जूझते हैं। यह कहानी यह भी बताती है कि कैसे अवैध प्रवासन की क़ीमत अंतत: पूरी जिंदगी को बदल

कुख्यात अरबपति व्यापारी ने अमेरिकी फंडिंग का किया दुरुपयोग, भारत और बांग्लादेश में फैलाई अराजकता

इंटरनेशल डेस्क: अमेरिका के कुख्यात अरबपति व्यापारी जॉर्ज सोरोस को लेकर एक बार फिर चौंकाने वाला दावा किया गया है। आरोप है कि जॉर्ज सोरोस ने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सरकारी फंडिंग के दसियों अरब डॉलर का दुरुपयोग किया। यह फंडिंग विभिन्न सरकारी योजनाओं, परियोजनाओं और संस्थाओं के माध्यम से थी, जिनका उपयोग सोरोस की निवेश रणनीतियों को बढ़ावा देने के लिए किया गया। सोरोस ने कई देशों में अपनी कंपनियों और चैरिटेबल फाउंडेशनों के माध्यम से सरकारी मदद को प्रभावी रूप से लागू किया, जो उन्हें वैश्विक स्तर पर अपने व्यवसायिक और सामाजिक प्रभाव को बढ़ाने में सहायक था। उनके इन निवेशों में विभिन्न क्षेत्रों जैसे कि शिक्षा, मानवाधिकार, और वित्तीय प्रणाली को सुधारने के प्रयास शामिल थे। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी दावा किया था कि जॉर्ज सोरोस के संगठन ने अमेरिकी सरकारी एजेंसी यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट से 260 मिलियन डॉलर की फंडिंग प्राप्त की, जिसे उन्होंने भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका, पाकिस्तान, यूक्रेन, सीरिया, ईरान, ब्रिटेन और अमेरिका में

अराजकता फैलाने और सरकारों को अस्थिर करने के लिए इस्तेमाल किया। ट्रंप के अनुसार, सोरोस ने इस धनराशि का उपयोग विभिन्न देशों में विरोध आंदोलनों को बढ़ावा देने, सरकारें बदलने और निजी लाभ अर्जित करने के लिए किया। उनका आरोप है कि सोरोस की गतिविधियों से अमेरिका समेत कई देशों में राजनीति और समाज में अस्थिरता पैदा हुई। तुर्की की अनादोलु एजेंसी के अनुसार, पिछले 15 वर्षों में USAID ने जॉर्ज सोरोस के *Open Society Foundation* से जुड़े *East-West Management Institute* को 270 मिलियन डॉलर से अधिक की फंडिंग दी है। यह संस्थान लोकतांत्रिक समाज को सुदृढ़ बनाने और पारदर्शी संस्थान बनाने के उद्देश्य से कार्य करता है। इसके फंडिंग का बड़ा हिस्सा USAID और अमेरिकी विदेश विभाग से आता है। इसके अलावा, सोरोस द्वारा समर्थित एंटी-करप्शन एक्शन सेंटर भी USAID को अपनी सबसे बड़ी फंडिंग संस्था मानता है, जो इसके कुल फंडिंग का 20.7 प्रतिशत योगदान करता है। अमेरिका में आलोचक इस फंडिंग पर सवाल उठा रहे हैं और USAID पर आरोप लगा रहे हैं कि वह सोरोस के निजी हितों के लिए काम करता है और देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करता है। इस खुलासे ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति और अमेरिका की विदेशी नीति पर एक नई बहस शुरू कर दी है,

दोस्त की बेटियों के साथ ही डेढ़ महीने तक बनाता रहा शारिरिक संबंध फिर पड़ोस की सगी बहनों पर पड़ी नज़र और.....

नेशनल डेस्क. महाराष्ट्र में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। विरार के एक 45 वर्षीय शख्स पर 3 नाबालिगों से हैवानियत करने का आरोप लगा है। आरोपी की पहचान पालघर जिले के विरार निवासी कमलेश कदम (45) के तौर पर हुई है। मामले की शिकायत मिलने पर पुलिस ने उसे पड़ोसी राज्य गुजरात से गिरफ्तार कर लिया है।

अधिकारियों के अनुसार, गुजरात पुलिस की मदद से फरार आरोपी कमलेश कदम ने विरार इलाके में तीन नाबालिग लड़कियों से कथित तौर पर कई महीनों तक बलात्कार किया। पुलिस ने मंगलवार को आरोपी को वसई कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे पुलिस हिरासत में भेजा गया है।

हाल ही में एक लड़की द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद विरार पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(2)(एम), 65(1) और पॉक्सो एक्ट की धारा 4, 8, 12 के तहत केस दर्ज किया था।

पुलिस के अनुसार, आरोपी ने जिन तीन लड़कियों के साथ दुष्कर्म किया, इनमें दो सगी बहनें हैं।आरोपी कमलेश कदम (45) विरार में रहता है। उसका एक दोस्त जेल में बंद है। दोस्त ने उसे अपनी पत्नी और नाबालिग बेटी का ख्याल रखने की जिम्मेदारी दी थी। इस वजह से जेल में बंद दोस्त की पत्नी और उसकी बेटी ने आरोपी कदम के घर में पनाह दी लेकिन जब लड़की की मां घर से चली जाती थी तो आरोपी घर में अकेले पाकर नाबालिग के साथ शारिरिक संबंध बनाता।

आरोपी ने लड़की को धमकी देकर यह काम करता था। इस बीच, आरोपी ने पड़ोस में रहने वाली दो नाबालिग सगी बहनों के साथ भी बलात्कार किया। उसने 31 दिसंबर 2024 की रात अपने घर पर पार्टी रखी और पड़ोस में रहने वाली दोनों लड़कियों को घर बुलाया। उन्हें शराब पिलाने के बाद आरोपी ने दोनों बहनों के साथ रेप किया। यह सिलसिला डेढ़ महीने तक चला और आखिरकार उनमें से एक लड़की ने पुलिस को शिकायत दी पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है और आगे की कार्रवाई जारी है।

भूकंप के तेज झटकों से हिली धरती रिक्टर स्केल पर 5.9 रही तीव्रता

इंटरनेशल डेस्क: डोमिनिकन गणराज्य के पूर्वोत्तर हिस्से में मंगलवार को 5.9 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि, राहत की बात यह है कि अभी तक किसी प्रकार के हताहत होने या गंभीर नुकसान की कोई खबर नहीं आई है। इसके साथ ही, सुनामी की कोई चेतावनी भी जारी नहीं की गई है।

अमेरिकी भूकंपीय सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने भूकंप की तीव्रता और इसके केंद्र की जानकारी दी।

यूएसजीएस के अनुसार, भूकंप का केंद्र डोमिनिकन गणराज्य के प्रसिद्ध रिसॉर्ट शहर पुंटा काना से लगभग 60 मील उत्तर-उत्तरपूर्व में स्थित था और इसकी गहराई करीब 29 मील (47 किमी) थी। पुंटा काना

डोमिनिकन गणराज्य के पूर्वी तट पर स्थित एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जहां दुनियाभर से पर्यटक आते हैं।

भूकंप के झटके केवल डोमिनिकन गणराज्य के कुछ हिस्सों तक ही सीमित नहीं रहे, बल्कि पड़ोसी द्वीप प्यूर्टो रिको में भी महसूस किए गए। प्यूर्टो रिको में भी हालांकि, किसी प्रकार की बड़ी क्षति की खबर नहीं आई है और स्थानीय प्रशासन ने भी स्थिति को नियंत्रण में बताया है।

जासूसी के आरोप में जेल में बंद चीनी पत्रकार के बेटे ने लगाई गुहार- मेरे पिता को रिहा कर दो

इंटरनेशल डेस्क: जासूसी के आरोपी चीन के एक पत्रकार के बेटे ने अपने पिता को इस मामले में सात वर्ष की जेल की सजा से मुक्त किए जाने की अपील की है। डोंग युयु कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा संचालित एक समाचार पत्र के वरिष्ठ संपादक थे और उन्हें फरवरी 2022 में उस समय गिरफ्तार कर लिया गया जब वह बीजिंग में एक जापानी राजनयिक के साथ दोपहर का भोजन कर रहे थे। डोंग यिफू ने सोमवार को वाशिंगटन में नेशनल प्रेस क्लब में कहा कि उनके पिता अपनी सजा के खिलाफ अपील करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने जापानी अधिकारियों से यह साबित करने में मदद करने का आग्रह किया कि जापानी राजनयिकों के साथ डोंग युयु की बैठकों का जासूसी से कोई

लेना-देना नहीं था। उन्होंने कहा, ''यह प्रेस की आजादी का मुद्दा है। यह मानवाधिकार का मुद्दा है। इसका राष्ट्रीय सुरक्षा या जासूसी से कुछ लेना-देना नहीं है। चीन के विदेश मंत्रालय ने इस संबंध में टिप्पणी किये जाने के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। डोंग युयु इससे पहले 'गुआंगमिंग डेली% में कार्यरत थे। यह अखबार किसी समय अधिक उदार माना जाता था। डोंग ने संवैधानिक लोकतंत्र, राजनीतिक सुधार और आधिकारिक जवाबदेही के पक्ष में तर्क देते हुए लेख लिखे थे। डोंग की गिरफ्तारी 'गुआंगमिंग डेली अखबार से सेवानिवृत्त होने की उनकी योजना से मात्र दो महीने पहले हुई थी। डोंग की गिरफ्तारी ने चीन भर के पत्रकारों और राजनयिकों को स्तब्ध कर दिया था। पत्रकारों के लिए समाचार प्राप्त करने के दौरान राजनयिकों से संपर्क बनाए रखना आम बात है। डोंग यिफू ने बताया कि बाद में उनकी मां ने अदालत में सुना कि जापानी राजनयिकों के साथ आठ मुलाकातों को उनके पिता के खिलाफ सबूत के तौर पर सूचीबद्ध किया गया था। उन्होंने बताया कि डोंग युयु के वकील महीने में एक बार पत्रकार से मिल सकते हैं और उनकी पत्नी के हस्तलिखित पत्र ला सकते हैं। उन्होंने बताया कि उनके पिता ने अपील के लिए 45 पृष्ठों का हस्तलिखित दस्तावेज तैयार किया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने पिछले शुक्रवार को 'एक्स% पर एक पोस्ट में डोंग युयु की तत्काल और बिना शर्त रिहाई का आह्वान किया था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569